मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्षः 7 अंक 301
रविवार, 25 मई 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्यः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 24 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक शनिवार को हुई। गवर्निंग काउंसिल की बैठक का विषय है 'विकसित भारत@2047 के लिए विकसित राज्य'। नीति आयोग की सर्वोच्च संस्था परिषद में सभी राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और कई केंद्रीय मंत्री शामिल हैं। प्रधानमंत्री मोदी नीति आयोग के अध्यक्ष हैं। बैठक में प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें विकास की गति बढ़ानी है। अगर केंद्र और सभी राज्य एक साथ मिलकर टीम इंडिया की तरह काम करें तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

मोदी ने कहा कि विकसित भारत हर भारतीय का लक्ष्य है। जब हर राज्य विकसित होगा, तो भारत भी विकसित होगा। यह 140 करोड़ नागरिकों की आकांक्षा है। उन्होंने कहा कि राज्यों को वैश्विक मानकों के अनुरूप तथा सभी सुविधाएं और बुनियादी ढांचा प्रदान करके प्रत्येक राज्य में कम से कम एक पर्यटन स्थल विकसित करना चाहिए। एक राज्यः एक वैश्विक गंतव्य। इससे पड़ोसी शहरों का भी पर्यटन स्थल के रूप में विकास होगा। उन्होंने कहा कि भारत में तेजी से शहरीकरण हो रहा है। हमें भविष्य के लिए तैयार शहरों की दिशा में काम करना चाहिए। विकास, नवाचार और स्थिरता हमारे शहरों के विकास का इंजन होना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद प्रधानमंत्री की सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपालों के साथ यह पहली बड़ी बैठक है। बयान के अनुसार, विकसित भारत के लिए विकसित राज्य का विचार राज्यों से राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के साथ जुड़े साहसिक, दीर्घकालिक और समावेशी विजन दस्तावेज तैयार करने का आह्वान है, जो स्थानीय वास्तविकताओं पर आधारित हों। इसमें कहा गया है, ₹इन विजनों में समयबद्ध लक्ष्य शामिल होने चाहिए। आम तौर पर, पूर्ण परिषद की बैठक हर साल होती है और पिछले साल यह 27 जुलाई को हुई थी।

सीएपीएफ अधिकारियों की पदोन्नति में गतिरोध दूर करने को सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश

नई दिल्ली, 24 मई। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि 2021 में होने वाली कैडर समीक्षा को छह महीने की अवधि के भीतर आईटीबीपी, बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ और एसएसबी सहित सभी केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) में किया जाए। न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने शुक्रवार को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग को कैडर समीक्षा और मौजूदा सेवा/भर्ती नियमों के संशोधन के संबंध में गृह मंत्रालय से कार्रवाई रिपोर्ट प्राप्त होने के तीन महीने के भीतर उचित निर्णय लेने का निर्देश दिया। यह निर्देश गैर-कार्यात्मक वित्तीय उन्नयन, कैडर समीक्षा, पुनर्गठन और आईपीएस प्रतिनियुक्ति को समाप्त करने के उद्देश्य से भर्ती नियमों में संशोधन

की मांग करने वाली याचिकाओं के एक समूह की सुनवाई के दौरान जारी किया गया। पीठ ने कहा कि सीएपीएफ के कैडर अधिकारियों की सेवा गतिशीलता के दोहरे उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, एक ओर ठहराव को दूर करना और दूसरी ओर बलों की परिचालन/कार्यात्मक आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, हमारा विचार है कि सीएपीएफ के कैडर में वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (एसएजी) के स्तर तक प्रतिनियुक्ति के लिए निर्धारित पदों की संख्या को समय के साथ उत्तरोत्तर कम किया जाना चाहिए। इससे सीएपीएफ के प्रशासनिक ढांचे के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया में सीएपीएफ से संबंधित कैडर अधिकारियों की भागीदारी की भावना आएगी, जिससे कैडर अधिकारियों की लंबे समय से चली आ रही शिकायतें दूर होंगी। पीठ ने सीमाओं पर और देश के भीतर राष्ट्रीय सुरक्षा बनाए रखने में सीएपीएफ की आवश्यक भूमिका पर जोर दिया। इसने सीएपीएफ की तैनाती में शामिल जटिलताओं को स्वीकार किया, विशेष रूप से राज्य सरकारों और स्थानीय पुलिस बलों के साथ समन्वय के संदर्भ में। अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार का मानना ??है कि प्रत्येक सीएपीएफ के अद्वितीय चरित्र को बनाए रखने के लिए आईपीएस अधिकारियों की उपस्थिति आवश्यक है।

गुजरात में भारतीय सीमा पर कड़ी सुरक्षा के बीच, पाकिस्तानी घुसपैठिए ने घुसने की कोशिश, बीएसएफ ने मार गिराया

गुजरात, 24 मई। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने शुक्रवार रात गुजरात के बनासकांठा जिले में भारतीय क्षेत्र में घुसने की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया। बीएसएफ के एक बयान के अनुसार, सैनिकों ने एक संदिग्ध व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ के पास आते देखा। जब उसे चुनौती दी गई, तो घुसपैठिए ने चेतावनियों को नजरअंदाज किया और आगे बढ़ना जारी रखा, जिससे सैनिकों को गोलीबारी करनी पड़ी। उसे मौके पर ही मार गिराया गया।

एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। बीएसएफ ने एक विज्ञप्ति में बताया कि बल के सतर्क जवानों ने एक संदिग्ध

व्यक्ति को शुक्रवार रात बनासकांठा में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करके सीमा बाड़ की ओर बढ़ते देखा।

विज्ञप्ति में कहा गया है, उन्होंने घुसपैठिए से रुकने को कहा लेकिन इसके बावजूद वह आगे बढ़ता रहा जिसके बाद जवानों ने गोलियां चला दीं। घुसपैठिए को मौके पर ही मार गिराया गया।

यह घटना भारत की आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के बाद पाकिस्तान द्वारा लगातार सीमा पार दुस्साहस के बाद सीमा पर कड़ी सुरक्षा के बीच हुई है। भारतीय सशस्त्र बलों ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में नौ प्रमुख आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया। यह 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान द्वारा प्रायोजित आतंकी हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई थी, जिसमें 26 लोगों की जान चली गई थी।

नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुई ममता बनर्जी

कोलकता, 24 मई। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शनिवार को नई दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुईं। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री की अनुपस्थिति में बैठक में पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व कौन करेगा, इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। सूत्रों के हवाले से बताया कि बैठक में मुख्य सचिव मनोज पंत के मौजूद रहने की संभावना है। प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में नीति आयोग की 10वीं गवर्निंग काउंसिल की बैठक राष्ट्रीय राजधानी में चल रही है।

नीति आयोग ने पहले एक बयान में कहा था, गवर्निंग काउंसिल की बैठक में 2047 के लिए विकसित भारत के लिए

विकसित राज्य के दृष्टिकोण पर चर्चा की जाएगी। ऑपरेशन सिंदूर के शुभारंभ के बाद से यह प्रधानमंत्री और राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों के बीच पहली बड़ी बैठक भी होगी। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश में एआईएनआरसी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन का नेतृत्व करने वाले पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी नीति आयोग की बैठक में शामिल नहीं हुए। कांग्रेस से कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम का हवाला देते हुए बैठक में भाग नहीं लिया, लेकिन उन्होंने अपना भाषण परिषद में पढ़ने के लिए भेज दिया। इसी तरह, केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, जो एक वरिष्ठ मार्क्सवादी नेता हैं, ने बैठक में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए अपने कैबिनेट सहयोगी के एन बालगोपाल को भेजा। भाजपा के राज्यसभा सांसद समिक भट्टाचार्य ने इसे पश्चिम बंगाल के लोगों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने नीति आयोग की बैठक में भाग न लेने का फैसला किया, खासकर तब जब कई अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री भी बैठक में मौजूद थे। भट्टाचार्य ने कहा कि बैठक में भाग न लेने से राज्य के लोग वंचित रह गए, क्योंकि पश्चिम बंगाल के मुद्दे वहां नहीं उठेंगे। राज्य सरकार ने पश्चिम बंगाल के लिए महत्वपूर्ण कई महत्वपूर्ण मुद्दों को उठाने का मौका गंवा दिया है। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने कहा, ₹अगर वह बैठक में शामिल होतीं, तो मुख्यमंत्री कई मुद्दे उठा सकती थीं, जैसे कि राज्य के विकास के लिए आवश्यक केंद्रीय धन का वितरण न करना।

फरीदाबाद रेलवे स्टेशन के निर्माण स्थल पर मिट्टी ढहने से दो महिला मजदूरों की मौत

फरीदाबाद। ओल्ड फरीदाबाद रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को खुदाई के दौरान मिट्टी के ढेर के नीचे दबने से दो महिला मजदूरों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना अपराह्न करीब साढ़े 12 बजे हुई जब रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार परियोजना के तहत बेसमेंट के लिए खुदाईका काम किया जा रहा था। उसने बताया कि मजदूरों का एक समूह मिट्टी हटाने के लिए गहराई में उतरा था तभी अचानक मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा ढह गया, जिससे चार मजदूर दब गए। घायलों को बाहर निकाल कर जिले के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां बिहार के लखीसराय जिले की निवासी नविता (32) और पश्चिम बंगाल की निवासी नंदिता (34) को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

पुंछ में पीड़ितों से मिले राहुल गांधी, बच्चों का बढ़ाया हौसला

पुंछ, 24 मई। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पुंछ के एक स्कूल का दौरा किया और पाकिस्तान की सीमा पार से हो रही गोलाबारी से प्रभावित छात्रों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि अब, आपने खतरा और थोड़ी भयावह स्थिति देखी है, लेकिन चिंता न करें, सब कुछ सामान्य हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इस समस्या से निपटने का आपका तरीका यह होना चाहिए कि आप खूब पढ़ाई करें और खूब खेलें और स्कूल में ढेर सारे दोस्त बनाएं।

कांग्रेस नेता ने कहा कि यह बहुत बड़ी त्रासदी थी और इसमें कई लोगों की जान चली गई। बहुत बड़ा नुकसान हुआ है।

मैंने लोगों से बात की और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश की। उन्होंने मुझसे इस मुद्दे को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का अनुरोध किया है और मैं ऐसा करूंगा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इस महीने की शुरूआत में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा सीमा पार से की गई गोलाबारी के पीड़ितों से मिलने के लिए शनिवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले का दौरा किया।

22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता का यह दूसरा केंद्र शासित प्रदेश दौरा है।

इस हमले में 26 लोगों की जान चली गई थी, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। गांधी ने 25 अप्रैल को आतंकी हमले में घायल हुए लोगों से मिलने

के लिए श्रीनगर का दौरा किया था। उन्होंने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कई हितधारकों से भी मुलाकात की थी। शनिवार की सुबह गांधी जम्मू हवाई अड्डे पर पहुंचे और सीमा पार से गोलाबारी से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और शोक संतप्त परिवारों से मिलने के लिए हेलीकॉप्टर से पुंछ के लिए रवाना हुए।

'हेरा फेरी 3' पर विवादों की बौछार, परेश रावल के फैसले से मच गया बवाल!

-ललित गर्ग

बॉलीवुड की सबसे प्रिय और चर्चित कॉमेडी फ्रेंचाइजी 'हेरा फेरी' अपने तीसरे भाग को लेकर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई है, लेकिन इस बार वजह फिल्म की शूटिंग या प्रमोशन नहीं, बल्कि उससे जुड़ा बड़ा विवाद है। जहां दर्शक इस बहुप्रतीक्षित फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, वहीं अब 'हेरा फेरी 3' का पूरा प्रोजेक्ट विवादों में उलझता जा रहा है। फिल्म से जुड़े कई बड़े नामों की नाराजगी, कानूनी नोटिस, भावनात्मक झटके और सोशल मीडिया पर चल रही प्रतिक्रियाओं ने इसे बॉलीवुड का सबसे पेचीदा प्रोजेक्ट बना दिया है। सबसे बड़ा झटका तब सामने आया जब इस फ्रेंचाइजी की जान कहे जाने वाले एक्टर परेश रावल ने इस फिल्म से खुद को अलग कर लिया। परेश रावल ने 'हेरा फेरी' सीरीज में बाबू भइया का किरदार निभाया था, जो दर्शकों के बीच बेहद लोकप्रिय रहा है। लेकिन अब खबर है कि उन्होंने 'हेरा फेरी 3' से किनारा कर लिया है और इस फैसले की वजह से फिल्म के निर्माता असमंजस में पड़ गए हैं।

बताया जा रहा है कि परेश रावल ने अक्षय कुमार की प्रोडक्शन कंपनी से लिए गए ?11 लाख के साइनिंग अमाउंट को सालाना 15 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस कर दिया है। उनका यह कदम जहां एक ओर उनकी प्रोफेशनल ईमानदारी को दर्शाता है, वहीं दूसरी ओर इसने फिल्म की टीम को हिलाकर रख दिया है। फिल्म के निर्माताओं ने उनके इस अचानक फैसले पर नाराजगी जताई है और यहां तक कि ?25 करोड़ के नुकसान की भरपाई के लिए उन्हें कानूनी नोटिस भी भेजा गया है। निर्माता पक्ष का कहना है कि परेश रावल की वजह से शूटिंग की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं, सेट्स बन चुके थे और क्रू की बुकिंग हो चुकी थी। ऐसे में उनके बाहर हो जाने से फिल्म को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। वहीं दूसरी तरफ परेश रावल का कहना है कि स्क्रिप्ट और निर्देशन से जुड़ी कुछ बातें ऐसी थीं जिनसे वे सहमत नहीं थे, और इसी वजह से उन्होंने खुद को इस प्रोजेक्ट से अलग कर लिया।

फिल्म से परेश रावल के बाहर होने की खबर सामने आने के बाद फिल्म के एक और स्तंभ अक्षय कुमार की भावनात्मक प्रतिक्रिया भी सामने आई है। निर्देशक प्रियदर्शन ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि जब अक्षय को यह पता चला कि परेश अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं रहेंगे, तो उनकी आंखों में आंसू आ गए थे। अक्षय ने प्रियदर्शन से पूछा, रुप्रियन, परेश ऐसा क्यों कर रहे हैं हमारे साथ?रु यह बात फिल्म इंडस्ट्री में तेजी से वायरल हुई और दर्शकों ने इस पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने परेश रावल के फैसले का समर्थन किया, तो कई ने इसे फिल्म के भविष्य के लिए एक बड़ा नुकसान बताया।

इस पूरे विवाद में एक और बड़ा नाम सामने आया वह है कार्तिक आर्यन का। पहले खबरें आई थीं कि कार्तिक आर्यन को 'हेरा फेरी 3' में राजू यानी अक्षय कुमार के किरदार की जगह लिया जाएगा, लेकिन बाद में यह साफ किया गया कि कार्तिक किसी नए किरदार के रूप में फिल्म में शामिल किए जा रहे थे। परेश रावल ने भी इस बात की पुष्टि की कि कार्तिक को राजू नहीं, बल्कि एक नए पात्र के लिए कास्ट किया गया था। लेकिन जब स्क्रिप्ट में बदलाव हुआ और कहानी की दिशा बदली गई, तब कार्तिक को फिल्म से हटा दिया गया। कार्तिक की मौजूदगी पर भी प्रशंसकों में विवाद हुआ था, क्योंकि अधिकांश लोग अक्षय कुमार को ही राजू के रोल में देखना चाहते थे। सोशल मीडिया पर #ठड्ढअ'र्ँ८ठड्ढल्ली१ढौं१ जैसे हैशटैग ट्रेंड करने लगे थे, जिससे निमार्ताओं पर जबरदस्त दबाव बना।

इस फिल्म से जुड़ा एक और विवादित मुद्दा इसके निर्देशक को लेकर है। फिल्म के लिए फरहाद सामजी को निर्देशक नियुक्त किया गया है, जिन्होंने इससे पहले 'बच्चन पांडे' और 'हाउसफुल 4' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है। हालांकि, दर्शकों और सोशल मीडिया यूजर्स को उनका काम पसंद नहीं आया और उन्होंने #फीड्ड५ीत्रंर्ँत्रिड्डल्ढ3 जैसे हैशटैग्स के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। प्रशंसकों का मानना है कि 'हेरा फेरी' जैसी क्लासिक फिल्म के साथ समझौता नहीं किया जाना चाहिए और इसके निर्देशन की जिम्मेदारी एक अनुभवी फिल्मकार को सौंपी जानी चाहिए जो इसके मूल हास्य तत्व को बनाए रख सके। फरहाद सामजी ने इस आलोचना पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उन्हें अनुचित तरीके से निशाना बनाया जा रहा है और वह चाहते हैं कि दर्शक उन्हें एक मौका दें ताकि वह साबित कर सकें कि वह इस फिल्म के साथ न्याय कर सकते हैं।

'हेरा फेरी 3' से जुड़े इन विवादों ने फिल्म को एक भावनात्मक और कानूनी लड़ाई का मैदान बना दिया है। जहां एक तरफ निर्माता इस फिल्म को लेकर बड़े सपने देख रहे थे, वहीं अब उन्हें बार-बार रुकावटों का सामना करना पड़ रहा है। एक तरफ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल की तिकड़ी की उम्मीद थी, वहीं दूसरी तरफ निर्देशक चयन, स्क्रिप्ट में बदलाव और कलाकारों की असहमति के चलते फिल्म बार-बार स्थगित होती जा रही है। फिल्म के निर्माता चाहते हैं कि परेश रावल के साथ कानूनी विवाद को सुलझा लिया जाए ताकि फिल्म की शूटिंग फिर से शुरू की जा सके। लेकिन यह भी सच है कि जिस तरह की भावनात्मक और पेशेवर दूरी इस विवाद के चलते उत्पन्न हो चुकी है, उसे पाटना आसान नहीं होगा।

अब सवाल यह उठता है कि क्या दर्शकों को एक बार फिर 'राजू, श्याम और बाबू भइया' की कॉमिक टाइमिंग देखने को मिलेगी या नहीं? क्या फिल्म के निर्माता इतने बड़े बदलावों और कानूनी विवादों को पार करके एक सफल फिल्म बना पाएंगे? क्या दर्शक उस जादू को फिर से महसूस कर पाएंगे जो 'हेरा फेरी' और 'फिर हेरा फेरी' में था? ये सारे सवाल अब भी अनुत्तरित हैं। लेकिन एक बात तय है कि 'हेरा फेरी 3' केवल एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक जुड़ाव बन चुकी है, और दर्शक इसके हर पहलू पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। आज जब सोशल मीडिया पर हर फिल्म की पल-पल की खबरें ट्रेंड करने लगती हैं, तब 'हेरा फेरी 3' के विवाद ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि दर्शकों के बीच इस फिल्म का क्या महत्व है। फैंस केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि अपनी पुरानी यादों को फिर से जीना चाहते हैं। चाहे बाबू भइया का 'उठा ले रे देवा' वाला डायलॉग हो या राजू की चालाकियां, इन किरदारों ने अपने संवादों से लोगों के दिलों में जो जगह बनाई है, वह किसी भी विवाद से बड़ी है। अब यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह फिल्म अपने पुराने स्टारकास्ट के साथ बन पाएगी या कोई नया मोड़ लेगी, लेकिन इतना जरूर कहा जा सकता है कि 'हेरा फेरी 3' अब एक फिल्म से बढ़कर एक बड़ा भावनात्मक मुद्दा बन चुका है, जिसे लेकर हर कोई गंभीर है।

बांग्लादेश में सियासी संकट पर ब्रेक, इस्तीफे की धमकी देने वाले यूनुस अब पद पर बने रहेंगे

बांग्लादेश में पिछले कुछ हफ्तों से चल रहा राजनीतिक संकट अब थमता नजर आ रहा है। देश की अंतरिम सरकार के प्रमुख प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस ने अब इस्तीफे की धमकी को पीछे छोड़ते हुए पद पर बने रहने का फैसला किया है। शनिवार को राजधानी ढाका में हुई एक आपात बैठक के बाद इस पर मुहर लगाई गई। इस अहम बैठक में चुनाव, न्याय और सुधार जैसे विषयों पर चर्चा हुई, जो मौजूदा हालात में बेहद संवेदनशील मुद्दे हैं।

शेर-ए-बांग्ला नगर स्थित योजना आयोग की इमारत में शनिवार को एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें अंतरिम सरकार और सलाहकार परिषद के सभी वरिष्ठ सदस्य शामिल हुए। यह बैठक राष्ट्रीय आर्थिक परिषद की एक बैठक के बाद अचानक तय की गई। इसमें तीन मुख्य मुद्दे उठाए गए चुनाव प्रक्रिया, न्यायिक सुधार और प्रशासनिक पारदर्शिता। बैठक के बाद सलाहकार परिषद की ओर से एक आधिकारिक पोस्ट के जरिए जानकारी दी गई कि मोहम्मद यूनुस अपने पद पर बने रहेंगे और आगामी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की निगरानी करते रहेंगे। बैठक को संबोधित करते हुए प्रोफेसर यूनुस ने देश के हालात पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों की असंबद्ध मांगें, विवादित बयान और अचानक किए जा रहे कार्यक्रम देश में भ्रम और अविश्वास की स्थिति पैदा कर रहे हैं। इससे प्रशासन का कामकाज प्रभावित हो रहा है। उन्होंने साफ किया कि इन चुनौतियों के बावजूद सरकार अपने कर्तव्यों को निभा रही है और उसे अस्थिर करने की किसी भी कोशिश को खारिज करती है। सलाहकार परिषद ने देश की स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी राजनीतिक दलों से एकजुटता की अपील की है। यूनुस ने कहा कि लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए सभी को जिम्मेदारी से काम करना होगा। उन्होंने यह भी चेताया कि देश में तानाशाही प्रवृत्ति को कभी भी पनपने नहीं दिया जाएगा। सरकार ने बैठक में यह भी दावा किया कि जुलाई में हुए तख्तापलट के बाद से कई बाहरी ताकतें बांग्लादेश की स्थिरता को बिगाड़ने की कोशिश कर रही हैं। यूनुस ने कहा कि अगर हारे हुए दलों या विदेशी साजिशों की वजह से सरकार का काम रोका गया, तो जनता के सामने पूरी स्थिति स्पष्ट की जाएगी और भविष्य की रणनीति बनाई जाएगी।

गांवों की राजनीति से शुरू होगा 2027 का सियासी महाकुंभ

-अजय कुमार

उत्तर प्रदेश में दो साल बाद होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले 2026 में होने वाले पंचायत चुनाव को राजनीतिक दलों के लिए बेहद अहम माना जा रहा है। पंचायत चुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट कहा जा रहा है, क्योंकि इसके नतीजे आने के बाद ही प्रदेश की सियासी तस्वीर साफ होगी। चुनाव आयोग ने पंचायत चुनाव के लिए पूरी तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही अधिसूचना जारी करने की संभावना है। ऐसे में राजनीतिक दल भी अपनी-अपनी रणनीतियां बनाने में जुट गए हैं। पंचायत चुनाव से न केवल दलों की लोकल पकड़ का पता चलेगा, बल्कि 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए उनकी रणनीतियों की दिशा भी तय होगी। उत्तर प्रदेश के गांवों में पंचायत चुनाव को लेकर जो सरगर्मी दिख रही है, उससे यह साफ हो गया है कि ये चुनाव प्रदेश की राजनीति में बड़ी भूमिका निभाने वाले हैं।

उत्तर प्रदेश के ग्राम पंचायतों के मौजूदा प्रधानों का कार्यकाल 2026 में खत्म हो रहा है। लगभग 57,691 ग्राम प्रधान, पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य, 826 ब्लॉक प्रमुख, 3,200 जिला पंचायत सदस्य और 75 जिला पंचायत अध्यक्षों के चुनाव होने हैं। राज्य निर्वाचन आयोग ने इस त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए करीब 1.27 लाख सीआर1 ग्रेड की मतपेटियों की खरीद के लिए ई-टेंडर भी जारी कर दिया है। पिछले चुनाव अप्रैल-मई 2021 में हुए थे, इसलिए इस बार चुनाव की अधिसूचना जनवरी या फरवरी 2026 के दूसरे या तीसरे हफ्ते में जारी होने की उम्मीद है। पंचायत चुनाव तीन स्तरों पर होते हैं झ ग्राम पंचायत, क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा और सियासी रसगुल्ले गांव के प्रधान चुनाव को लेकर होती है, क्योंकि ग्राम प्रधान सीधे गांव की राजनीति पर प्रभाव डालते हैं।

पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों की तैयारियां शुरू हो गई हैं। सभी दल यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आरक्षण के बाद किस सीट पर कौन उम्मीदवार खड़ा हो सकता है। आरक्षण के बाद उम्मीदवारों की संभावनाओं का आकलन करना जरूरी होता है ताकि सही रणनीति बनाई जा सके। बीडीसी सदस्य और जिला पंचायत सदस्य भी होर्डिंग-पोस्टर के जरिए अपनी दावेदारी जताने लगे हैं। नेताओं और निर्वाचन आयोग की इस सक्रियता से साफ है कि पंचायत चुनाव को लेकर सियासी मशीनरी पूरी तरह से सक्रिय हो चुकी है।

पिछले पंचायत चुनावों के आंकड़े बताते हैं कि पंचायत चुनावों में सत्ताधारी दल का ही दबदबा रहता है। 2021 के पंचायत चुनाव में भाजपा, सपा, बसपा, कांग्रेस, आरएलडी, आम आदमी पार्टी और कई निर्दलीय उम्मीदवार मैदान में थे। कुल 3050 जिला पंचायत सदस्य सीटों पर हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी खासा दम दिखाया। भाजपा ने 768 सीटें जीतीं, सपा ने 759, बसपा ने 319, कांग्रेस 125, आरएलडी 69 और आम आदमी पार्टी 64 सीटों पर जीत हासिल की। निर्दलीयों की संख्या 944 रही। भाजपा ने निर्दलीयों को अपने साथ जोड़कर 67 जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी अपने नाम कर ली, जबकि सपा महज पांच जिलों में ही अध्यक्ष बना सकी। यह आंकड़ा यह बताता है कि पंचायत स्तर पर भी सत्ता का प्रभाव कितना महत्वपूर्ण होता है।

पंचायत चुनावों को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जाता है, क्योंकि इस चुनाव में ग्रामीण क्षेत्र की बड़ी संख्या की सीटें शामिल होती हैं। उत्तर प्रदेश की लगभग दो तिहाई विधानसभा सीटें ग्रामीण इलाकों से आती हैं, इसलिए पंचायत चुनाव का नतीजा सीधे विधानसभा चुनाव में राजनीतिक दलों की ताकत पर प्रभाव डालता है। पंचायत चुनावों में जो दल सफल होता है, उसके पास ग्रामीण वोट बैंक की मजबूत पकड़ होती है, जो आगे जाकर विधानसभा चुनावों में मददगार साबित होती है। राजनीतिक दल पंचायत चुनाव के नतीजों का विश्लेषण कर हर जिले, क्षेत्र और जाति के हिसाब से अपनी रणनीति बनाते हैं।

राजनीतिक दल पंचायत चुनाव के नतीजों के बाद गहन मंथन करते हैं। जातिगत समीकरण, क्षेत्रीय ताकत, वोट प्रतिशत, पिछली बार की तुलना में वोटों में बढ़ोतरी या कमी, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए वे आगामी विधानसभा चुनाव के लिए रणनीति बनाते हैं। ये चुनाव दलों को अपनी ताकत को सही आंकने का मौका देते हैं ताकि वे कमजोर हिस्सों पर काम कर सकें। पिछले विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव के मतों की तुलना कर दल अपने वोट बैंक में आए बदलाव का आंकलन करते हैं। फिर इसके आधार पर उम्मीदवार चयन, गठबंधन और प्रचार रणनीति को दुरुस्त करते हैं।

उत्तर प्रदेश की सियासत में पंचायत चुनावों का महत्व इसलिए भी बढ़ गया है क्योंकि इससे दलों की लोकल स्तर पर पकड़ का पता चलता है। पंचायत चुनाव से पार्टी का बूथ स्तर तक संगठन मजबूत होता है। गांवों के छोटे-छोटे चुनाव भी बड़े चुनावों में निर्णायक भूमिका निभाते हैं। जिस पार्टी के पास मजबूत ग्राम स्तर की पकड़ होती है, उसके लिए विधानसभा और लोकसभा चुनाव जीतना आसान होता है। इसलिए दल पंचायत चुनाव को हल्के में नहीं लेते और पूरे जोर-शोर से चुनाव लड़ते हैं। इन चुनावों में अपना दल (एस) का भी विशेष महत्व है, जो बीजेपी के सहयोगी दल के रूप में काम करता है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने हाल ही में घोषणा की है कि उनका दल यूपी पंचायत चुनाव में अकेले चुनाव लड़ेगा। उन्होंने साफ कहा कि कोई गठबंधन नहीं होगा और अपना दल (एस) पूरी ताकत से सभी सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार है। अनुप्रिया पटेल ने कहा कि पंचायत चुनाव 2027 के विधानसभा चुनाव का रिहर्सल है। उनका मानना है कि पंचायत चुनाव में अपनी ताकत आजमाकर वे आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति मजबूत करेंगे। पिछले कई सालों से अपना दल (एस) ने लोकसभा और विधानसभा चुनावों में बीजेपी के साथ गठबंधन किया, लेकिन पंचायत चुनावों में वह हमेशा अकेले ही चुनाव लड़ता रहा है। 2021 में भी अपना दल (एस) अकेले ही जिला पंचायत सदस्य चुनाव में हिस्सा लिया था। इस बार भी यही रणनीति अपनाई जा रही है। केंद्र और प्रदेश में बीजेपी और अपना दल (एस) साथ हैं, लेकिन गांवों में पंचायत चुनाव में वे एक-दूसरे के प्रतिद्वंदी बनेंगे।

अनुप्रिया पटेल ने यह भी बताया कि पंचायत चुनाव में अपने कार्यकर्ताओं को ज्यादा से ज्यादा मौका देना चाहते हैं। गठबंधन में रहते हुए यह संभव नहीं था कि सभी कार्यकर्ता चुनाव लड़ पाएं, इसलिए अकेले चुनाव लड़ना जरूरी था। उन्होंने कहा कि संगठन को पंचायत चुनाव के अनुसार मजबूत करना होगा। पंचायत चुनाव में हर स्तर पर संगठन को तैयार करने की कवायद चल रही है। पार्टी बूथ स्तर पर भी मजबूत हो रही है ताकि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को पूरी मदद मिल सके।

यह रणनीति अनुप्रिया पटेल की पार्टी के लिए नए अवसर भी लेकर आएगी। पंचायत चुनाव से पार्टी को ग्रामीण इलाकों में अपनी पकड़ बढ़ाने का मौका मिलेगा, जो आगे जाकर विधानसभा चुनाव में काम आएगा। यह चुनाव पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए एक प्रकार का मंच भी होगा, जहां वे अपनी राजनीतिक योग्यता साबित कर सकेंगे। चुनावों में जीत से पार्टी को स्थानीय नेताओं का विश्वास मिलेगा और पार्टी संगठन मजबूत होगा। पंचायत चुनावों में अच्छा प्रदर्शन पार्टी को आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भी उत्साहित करता है।

राजनीतिक विश्लेषक बताते हैं कि पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति की जमीन तैयार करते हैं। गांव की राजनीति से जुड़ी दलों की पकड़ मजबूत होने पर विधानसभा चुनाव में भी उनकी सफलता की संभावना बढ़ जाती है। पंचायत चुनाव में मिली सफलता से नेताओं को यह भी समझने में मदद मिलती है कि किस क्षेत्र में उनकी पार्टी की पकड़ कमजोर है और वहां वे अपनी रणनीति में बदलाव कर सकते हैं। इसके अलावा, पंचायत चुनाव से दलों को जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों को समझने में भी मदद मिलती है।

साथ ही, पंचायत चुनावों में नए नेताओं को उभरने का मौका मिलता है। कई बार युवा और नए चेहरे इन चुनावों के जरिए राजनीति में आते हैं और आगे जाकर बड़े स्तर पर राजनीति में अपना मुकाम बनाते हैं। इसलिए पंचायत चुनाव सिर्फ स्थानीय स्तर की राजनीति तक सीमित नहीं रह जाते, बल्कि ये प्रदेश की राजनीति की दिशा तय करते हैं।

उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में सियासी पार्टियों की जंग पंचायत चुनाव से शुरू होती है और यही मुकाबला विधानसभा चुनाव तक चलता रहता है। इस बार भी राजनीतिक दल पंचायत चुनावों में पूरी ताकत झोंक रहे हैं ताकि वे 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपनी पकड़ मजबूत कर सकें। योगी सरकार के नेतृत्व में बीजेपी ने पंचायत चुनावों में कड़ा दबदबा बनाया है, लेकिन विपक्षी दल भी पीछे नहीं हैं। सपा, बसपा, कांग्रेस, आम आदमी पार्टी और अपना दल (एस) भी अपने-अपने क्षेत्रों में जीत दर्ज करने के लिए जी-तोड़ मेहनत कर रहे हैं।

अंततः पंचायत चुनाव उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक ऐसा मंच हैं, जहां से सरकार बनने की राह दिखती है। इस चुनाव का परिणाम 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए सियासी मिजाज का आईना होगा। जो पार्टी पंचायत चुनाव में सफल होगी, उसकी सियासी पकड़ मजबूत होगी और वह विधानसभा चुनाव में भी बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी। इसलिए 2026 के पंचायत चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों में खासा उत्साह और संघर्ष देखा जा रहा है। यह चुनाव सिर्फ ग्रामीण नेतृत्व चुनने का माध्यम नहीं, बल्कि भविष्य की सियासत के लिए मजबूत आधार बनाने का जरिया बनेंगे। इस चुनाव के परिणाम पूरे प्रदेश की राजनीतिक दिशा तय करेंगे और तय करेंगे कि 2027 में उत्तर प्रदेश की सत्ता किसके हाथ में होगी।

भर्ती में समानता की वापसी: सामाजिक-आर्थिक बोनस अंकों पर हाईकोर्ट की सख्ती

-प्रियंका सौरभ

भारतीय लोकतंत्र का मूल मंत्र है झ समान अवसर। लेकिन जब अवसरों की तुलना में विशेष सुविधाएं या बोनस अंक बांटे जाएं, तो यह उस मूल भावना को ही चोट पहुंचाता है। हाल ही में पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट ने एक ऐतिहासिक निर्णय में भर्ती प्रक्रियाओं में सामाजिक-आर्थिक आधार पर दिए जा रहे अतिरिक्त अंकों (बोनस मार्क्स) को अवैध ठहराया और उन्हें रद्द करने का आदेश दिया। यह फैसला केवल एक कानूनी निर्देश नहीं, बल्कि उन हजारों युवाओं की उम्मीदों का न्यायिक जवाब है जो केवल मेरिट के आधार पर अपना हक मांग रहे थे।

भारतीय प्रशासनिक ढांचे में सामाजिक न्याय को एक महत्वपूर्ण स्थान मिला है, लेकिन इसके नाम पर समय-समय पर ऐसे कदम उठाए जाते हैं जो समानता की भावना से टकराते हैं। हरियाणा सरकार द्वारा 2019 में सामाजिक-आर्थिक आधार पर 10 अतिरिक्त अंक देने की नीति इसी प्रकार का निर्णय था। यह नीति उन अभ्यर्थियों को लाभ देती थी जो या तो अनाथ हैं, विधवा मां के पुत्र हैं, परिवार में सरकारी नौकरी नहीं है आदि। यद्यपि यह नीति सहानुभूति के आधार पर प्रेरित थी, लेकिन इससे मेरिट के सिद्धांत को गहरी चोट पहुंची। कई योग्य अभ्यर्थी जिन्होंने परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया था, वे इस ३बोनस सिस्टम३ के कारण बाहर हो गए।

संघर्ष की आवाजः जो गला फाड़कर भी सुना नहीं गया

जब कोई छात्र 90 में से 90 अंक लाकर भी चयन से वंचित रह जाए, तो यह सिर्फ परीक्षा की असफलता नहीं, सिस्टम की विफलता होती है। और जब यह गड़बड़ी साफ दिखती हो लेकिन सब चुप हों झ तो यह चुप्पी भी अपराध की साझेदार होती है। उस समय बहुतों ने सवाल नहीं उठाए, लेकिन कुछ लोगों ने आवाज बुलंद की। मैंने बोल-बोलकर अपना गला फाड़ लिया था कि यह सामाजिक-आर्थिक बोनस अंक प्रणाली असंवैधानिक है, और यह फैसला एक दिन पलटेगा झ और उस दिन हजारों ज़िंदगियाँ प्रभावित होंगी। लेकिन उस समय वोट बैंक की राजनीति ने सबकी आंखों पर पर्दा डाल दिया।

जो चयनित हुए, वे भी प्रताड़ित हुए, और जो नहीं हुए वे भी झ सबको सजा मिली!

मैंने सबसे पहले इस नीति पर संपादकीय लिखे। विरोध सहा, लेकिन बोलती रही। क्योंकि जानती थी झ यह फैसला सबको ले डूबेगा। आज जब कोर्ट ने इस पर रोक लगाई है, तो वे बच्चे जीत गए हैं झ जिन्होंने सालों तक नौकरी के अधिकार से वंचित होकर लड़ाई लड़ी। लेकिन जो चयनित होकर सेवा दे रहे थे झ उनका क्या दोष? वे भी बलि चढ़ा दिए गए।

इस पूरी त्रासदी की जड़ है झ वोट बैंक की घटिया राजनीति। पहले सहानुभूति के नाम पर नीतियां बनाईं, अब उनका खामियाजा भुगतने के लिए निर्दोष युवा छोड़ दिए।

बागड़ बिल्लो३ का तो आज भी कुछ नहीं बिगड़ा झ जो भी भुगते, सिर्फ आम छात्र। जो आज अधिकार लेकर खड़े हैं झ उन्होंने वो अधिकार लड़कर लिया है, भीख में नहीं। अब सवाल यह है कि उन कर्मचारियों का क्या होगा जो कोर्ट के फैसले के कारण बाहर होंगे? क्या उन्हें कोई पुनर्वास मिलेगा? क्या यह सिस्टम उनसे माफी मांगेगा? गलत का परिणाम गलत ही होता है और सही का सही। देर-सवेर ही सही। धिक्कार है ऐसी नीतियों पर, जिन्होंने हजारों को प्रताड़ित किया झ और जिन्हें हक मिला, वह भी सिर्फ संघर्ष से मिला।

अदालत का हस्तक्षेप और स्पष्ट रुख

पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने इस नीति को संविधान की भावना के विपरीत बताया। अदालत ने आदेश दिया किः भविष्य में इस प्रकार के बोनस अंक नहीं दिए जाएंगे। जिन अभ्यर्थियों को इन अंकों के चलते नियुक्ति मिली, उन्हें वरिष्ठता सूची में नीचे किया जाएगा। तीन माह के भीतर नई मेरिट सूची बनाकर फिर से परिणाम घोषित किए जाएं। यह निर्णय केवल तकनीकी सुधार नहीं, बल्कि न्याय की दिशा में एक नैतिक सुधार भी है।

बोनस अंकों के पीछे का आंकड़ाः लगभग 25 से 30 हजार अभ्यर्थियों को इस नीति से लाभ हुआ। अनेक ऐसे मामले सामने आए जहाँ 90 में से 90 अंक लाने वाले अभ्यर्थी भी चयन से बाहर हो गए, जबकि दूसरों को बोनस के कारण लाभ मिला। यह स्थिति न केवल अयोग्यता को बढ़ावा दे रही थी, बल्कि व्यवस्था में असंतोष भी भर रही थी। सरकार की भूमिका और विरोधाभास

हैरानी की बात यह है कि हरियाणा सरकार ने पिछले वर्ष ही यह बोनस अंक देना बंद कर दिया था। परंतु पहले से हुई नियुक्तियों में इसे लागू नहीं किया गया। कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि ऐसे मामले में ३फैसला भविष्य में लागू होगा३ जैसे बहाने स्वीकार्य नहीं होंगे, और जो नुकसान मेरिट पर आधारित अभ्यर्थियों को हुआ है, उसकी भरपाई होनी चाहिए।

वास्तविकता और व्यावहारिकता के बीच टकराव

सवाल यह है कि क्या ऐसे निर्णय व्यावहारिक हैं? जो लोग पिछले 2-3 वर्षों से नौकरी कर रहे हैं, क्या उन्हें नीचे किया जाएगा? क्या इससे प्रशासनिक ढांचे में अव्यवस्था नहीं फैलेगी? जवाब है झ यदि शुरूआत ही गलत हो, तो व्यवस्था का टिकना अन्याय पर होगा। न्याय की गाड़ी को अस्थायी हानि सहकर भी सही ट्रैक पर लाना जरूरी है।

राजनीतिक चुप्पी और नौजवानों का असंतोष

यह विषय उन हजारों युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है जो बिना किसी विशेष लाभ के मेहनत से आगे बढ़ना चाहते हैं। परंतु दुर्भाग्य से अधिकांश राजनीतिक दल इस पर मौन हैं क्योंकि ये नीतियाँ अक्सर वोट बैंक को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं। एक अभ्यर्थी की यह टिप्पणी इस स्थिति को बखूबी दशार्ती हैः

हमने मेहनत की, टॉप किया, फिर भी नौकरी नहीं मिली, क्योंकि हम सामाजिक-आर्थिक रूप से विशेष नहीं थे। अब कोर्ट ने हमारी बात सुनी है। भविष्य की दिशा क्या हो? नीतियों की समीक्षा होनी चाहिएः किसी भी सरकारी नीति को लागू करने से पहले यह देखा जाना चाहिए कि क्या वह समानता के सिद्धांत से मेल खाती है। बोनस अंक की बजाय विशेष प्रशिक्षण, छात्रवृत्ति, और परामर्श सुविधाएं दी जा सकती हैं ताकि पिछड़े वर्गों को सशक्त किया जा सके। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता और मेरिट को सर्वोच्च स्थान मिलना चाहिए। हाईकोर्ट का यह निर्णय भारतीय न्याय प्रणाली की एक बड़ी जीत है। यह उस वर्ग के लिए आशा की किरण है जिसे राजनीतिक नीतियों ने हाशिये पर ला दिया था। समानता का मतलब यह नहीं कि सभी को एक ही रेखा से दौड़ने दिया जाए, बल्कि यह सुनिश्चित किया जाए कि सभी के पैर में कोई बेड़ी न हो। सामाजिक-आर्थिक आधार पर अंक देना, एक तरह से कुछ के पांव में चप्पल और कुछ को नंगे पांव दौड़ाने जैसा था। अब न्याय की अदालत ने सबके लिए समतल मैदान तय कर दिया है।

पाकिस्तान जल के लिए तरसने की कगार पर

संजीव ठाकुर

जल यानी पानी की एक-एक बूंद कितनी महत्वपूर्ण है जिसकी कीमत सबसे ज्यादा ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सिंधु जल समझौते को निलंबित कर पाकिस्तान जैसे नापाक देश को बहुत अच्छे से समझा दिया है। पाकिस्तान में जल बम बनकर फूटा है वहां 90% कृषि तथा अन्य कार्य सिंधु के जल पर अवलंबित हैं,जल की एक-एक बूंद को जब पाकिस्तान तरसेगा तब उसे समझ में आएगा कि आतंकवाद से ज्यादा घृणित कोई काम नहीं हो सकता और पानी की अहमियत से ज्यादा जिंदगी में कुछ भी महत्वपूर्ण नहीं हो सकती। पाकिस्तान जल की एक बूंद के लिए तरस जाएगा तब उसे जल का महत्व समझ में आएगा।

जल की एक बूंद का संरक्षण मानवीय जीवन के लिए अत्यंत उपयोगी है। जल की एक-एक बूंद जीवन के लिए बेशकीमती और बहु उपयोगी है। जल की बबार्दी भविष्य के बहुत बड़े खतरे को इंगित करती है, यदि पृथ्वी पर जल नहीं होगा तो जीवन की संभावनाएं भी विलुप्त हो जाएंगीं। सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है'पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है'पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है ' बहुत कम मात्रा का जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुश्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है। इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध ल्लड्ड्ल्ल-ड्ड५ी१ल्लीौल्ल३' ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है। वैश्वीकरण व उपभोक्तावादी संस्कृति से प्रेरित अंधाधुंध विकास की दौड़ में जल स्रोतों को प्रदूषित कर मानव समाज ने स्वयं अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने का काम किया है। बढ़ती जनसंख्या भी वैश्विक जल संकट का एक बड़ा कारण है। यदि जनसंख्या की वृद्धि की रफ्तार से होती रही तो अगले दशक में वैश्विक जनसंख्या में वृद्धि की दर से 25% जनसंख्या को प्रयोग जितना ही पानी उपलब्ध हो पाएगा। यह भयानक जल संकट तथा वैश्विक खतरे की ओर इंगित करता है। वैश्विक स्तर पर जल विवाद लगातार होते रहते हैं मध्य एशिया में कैस्पियन सागर के जल बंटवारे संबंधी विवाद का समाधान तटवर्ती देशों द्वारा संधि के माध्यम से किया गया है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो स्थिति और भी जटिल होती जा रही है देश की जनसंख्या तो विश्व की जनसंख्या का लगभग 17.5% है, लेकिन ताजे जल की उपलब्धता 1% से भी कम है। राजस्थान में स्थिति जल संकट की बड़ी भयावह है वहां जल की उपलब्धता 1% से भी बहुत नीचे जल संकट वहां की नियति बन गई है। 2040 तक भारत के तीन चौथाई शहरों को जल संकट से जूझना होगा। अब हमारा दायित्व तथा कर्तव्य होगा कि समाज को जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें एवं जल संरक्षण से संबंधित विधि तथा तकनीक से परिचित कराएं एवं उसका समुचित उपयोग करें। व्यक्ति स्वयं जल का संरक्षण करें तथा दूसरों को भी जल संरक्षण के लिए प्रेरित करें ताकि हम आने वाले कल के लिए जल संकट रूपी विकराल एवं जनता हर समस्या का सामना आसानी से कर पाएं। जल संकट के महाविनाश से यदि बचना है तो जल संरक्षण हर नागरिक को एक कर्तव्य की तरह करना होगा।

रोजगार मेला में 55 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया, सैकड़ों युवाओं को मिला रोजगार का अवसर

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं के लिए राहत भरा साबित होने वाला भव्य रोजगार मेला शनिवार को बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। यह पहल पूर्व विधान परिषद विधायक और अखिल भारतीय ड्रुगिस्ट एवं केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जगन्नाथ शिंदे की मुख्य पहल और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के माध्यम से लागू की गई।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, लक्ष्य फाउंडेशन महाराष्ट्र राज्य और इविसिटास डेवलपमेंट इनिशिएटिव ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस रोजगार मेले का आयोजन कल्याण पूर्व के मॉडल कॉलेज में किया गया।

इस मेले में 55 से अधिक नामी कंपनियों ने भाग लिया। सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मा, विनिर्माण, खुदरा, सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और बैंकिंग जैसे विभिन्न क्षेत्रों की कंपनियों ने उपस्थित होकर उम्मीदवारों का साक्षात्कार लिया। सैकड़ों बेरोजगार युवाओं ने इस अवसर का लाभ उठाया और कई का तुरंत चयन भी किया गया। इस स्थान पर कुछ उम्मीदवारों का व्यावहारिक परीक्षण भी किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया गया। इस अवसर पर पूर्व विधायक जगन्नाथ अप्पा शिंदे, शिवसेना नगर अध्यक्ष नीलेश शिंदे, एनसीपी के मनोज नायर के साथ ही कई सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद थे। उपस्थित गणमान्य लोगों ने इस पहल का स्वागत किया और आयोजकों की विशेष रूप से प्रशंसा की। कार्यक्रम में बोलते हुए जगन्नाथ शिंदे ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि आज के युवा न केवल शिक्षा प्राप्त करें और उसका उपयोग करें, बल्कि उन्हें अपनी शिक्षा के अनुरूप नौकरी भी मिले। रोजगार युवाओं का मौलिक अधिकार है और इसे पाने के लिए इस तरह की पहल की आवश्यकता है। इस रोजगार मेले ने कई परिवारों को राहत पहुंचाई है और यह कल्याण पूर्व क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक बदलाव लाने में एक महत्वपूर्ण कदम बन गया है।

स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी का बेहतरीन प्रदर्शन

मुंबई। फार्मास्यूटिकल और केमिकल इंडस्ट्रीज के लिए भारत के लीडिंग हाई-एंड इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स में से एक, स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी लिमिटेड ने 31 मार्च, 2025 को समाप्त चौथी तिमाही और पूरे वित्तीय वर्ष के लिए अपने ऑडिट किए गए फाइनेंसियल रिजल्ट्स की घोषणा की। 13.9% की मजबूत रेवेन्यू ग्रोथ के साथ कंपनी ने 14.2% की पैट में वृद्धि दर्ज की है। स्टैंडर्ड ग्लास फार्मा और केमिकल सेक्टर्स के लिए एक संपूर्ण इंजीनियरिंग सलूशन प्रदाता है। कंपनी फार्मा और केमिकल हाई-एंड प्रोसेस इक्विपमेंट्स के लिए एक सुपर ब्रांड हैं और दोनों इंडस्ट्रीज के लिए एक संपूर्ण सलूशन प्रदाता हैं। कंपनी ने मजबूत रेवन्यू ग्रोथ, बेहतर मार्जिन और प्रमुख रणनीतिक विकास के आधार पर ठोस प्रदर्शन किया है, जिससे भविष्य में भी कंपनी की ग्रोथ जारी रहेगी। कंपनी का टोटल इनकम वित्त वर्ष 25 में 626 करोड़ रुपये रहा और इसमें पिछले साल की तुलना में 13.9% की वृद्धि हुई है। कंपनी का एबिटडा पिछले साल की तुलना में 18.6% की वृद्धि के साथ 120 करोड़ रुपये हुआ। एबिटडा मार्जिन सुधरकर 19.1% हुआ है। कंपनी का प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 94 करोड़ रुपये हुआ है और पिछले साल की तुलना में 17.2% की वृद्धि हुई है और प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) पिछले साल की तुलना में 14.4% की वृद्धि के साथ 69 करोड़ रुपये हुआ है। पैट मार्जिन सुधरकर 11% हुआ है। कंपनी का टोटल इनकम 171 करोड़ रुपये रही और इसमें तिमाही-दर-तिमाही 19.7% की वृद्धि हुई है। कंपनी का एबिटडा 28 करोड़ रुपये हुआ है और एबिटडा मार्जिन 16.6% पर पहुंचा है। प्रॉफिट बिफोर टैक्स (पीबीटी) 22 करोड़ रुपये हुआ है और इसमें तिमाही-दर-तिमाही 3.1% की वृद्धि हुई है। कंपनी का प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (पैट) 16 करोड़ रुपये हुआ है और सालाना आधार पर इसमें 3% की वृद्धि हुई है और पैट मार्जिन 9.6% पर पहुंचा है। स्टैंडर्ड ग्लास लाइनिंग टेक्नोलॉजी के मैनेजिंग डायरेक्टर नागेश्वर राव कंडुला ने कहा, वित्त वर्ष 25 स्टैंडर्ड ग्लास के लिए खास वर्ष था। स्थगित निर्यात के बावजूद, हमने सभी प्रमुख मीट्रिक में दोहरे अंकों की वृद्धि हासिल की। यह हमें वित्त वर्ष 26 के लिए एक मजबूत शुरूआत देता है और हमारे मॉडल की फ्लेक्सिबिलिटी और स्केलेबिलिटी को दर्शाती है। हम एसजीआइएन ग्लोबल मार्केट के लिए नई तकनीकों और उच्च प्रदर्शन वाले इक्वीपमेंट द्वारा संचालित एक ग्रोथ लेवल में प्रवेश कर रहे हैं। जीएल हक्को जापान और आईपीपी यूएसए के साथ हमारी पार्टनरशिप वास्तविक कमर्शियल ट्रैक्शन में तब्दील हो रही है। एक मजबूत ऑर्डर बुक, नई प्रोडक्ट लाइनों और इन्फ्रास्ट्रक्चर और इनोवेशन में निरंतर निवेश के साथ, एसजीएलटीएल का भविष्य उज्ज्वल और परिवर्तनकारी है।

वर्ल्ड चाइल्ड ओबेसिटी डे अवेयरनेस प्रोग्राम का आयोजन किया

मुंबई। नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल ने आज मुंबई में वर्ल्ड चाइल्ड ओबेसिटी डे का तीसरा वार्षिक आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन 22 मई को जेन-एक्सएल ओबेसिटी फाउंडेशन के सहयोग से किया गया और इसका उद्देश्य भारत में बचपन के मोटापे की तेजी से बढ़ती समस्या को लेकर जागरूकता फैलाना था।

नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल एक समर्पित शिशु रोग अस्पताल है और अपने बेजोड़ चिकित्सा अनुभव व विशेषज्ञता, उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं के चलते देश के प्रमुख बाल चिकित्सा केंद्रों में से एक है। वर्ल्ड चाइल्ड ओबेसिटी डे इस अस्पताल की बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के प्रति वार्षिक प्रतिबद्धता है। देशभर में बच्चों में मोटापा तेजी से बढ़ रहा है और यह कार्यक्रम अभिभावकों को शिक्षित करने और समय रहते उचित कदम उठाने की रणनीतियों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बना। हाल के वर्षों में बच्चों में मोटापा एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या बन चुका है, जो आगे चलकर डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और मानसिक समस्याओं जैसी बीमारियों का कारण बन सकता है। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रकाशराव अबिटकर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा, बचपन का मोटापा महाराष्ट्र और पूरे देश में एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बन रहा है। मैं नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल डॉ. संजय बोरुडे और जेन-एक्सएल ओबेसिटी फाउंडेशन की इस दिशा में निरंतर की जा रही कोशिशों की सराहना करता हूँ। जागरूकता और समय रहते दखल देना, हमारे बच्चों के स्वस्थ भविष्य की कुंजी है। वर्ल्ड चाइल्ड ओबेसिटी डे कार्यक्रम की परिकल्पना और शुरूआत डॉ. संजय बोरुडे ने की थी, जो नारायणा हेल्थ एसआरसीसी चिल्ड्रन्स हॉस्पिटल, मुंबई में मोटापे और बेरियाट्रिक सर्जरी विशेषज्ञ हैं। वे जेन-एक्सएल ओबेसिटी फाउंडेशन के संस्थापक भी हैं। 2023 से यह वार्षिक आयोजन उनके अस्पताल में नियमित रूप से किया जा रहा है, जिसका मकसद बचपन के मोटापे से जुड़ी गंभीरता को उजागर करना है। इस दिशा में जागरूकता फैलाने के साथ-साथ जीवनशैली में बदलाव और जरूरत पड़ने पर इलाज जैसे विकल्पों को अपनाने पर जोर दिया जाता है। डॉ. बोरुडे ने जनरेशन एक्सएल नाम से एक विस्तृत मार्गदर्शिका भी लिखी है, जो बचपन के मोटापे से बचाव पर केंद्रित है।

स्नेहा दुबे पंडित के प्रयास से वसई-विरार की महिलाओं को यात्रा में 50% छूट

वसई-विरार (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक बड़ी राहत की खबर सामने आई है। महाराष्ट्र सरकार के निदेर्शानुसार, राज्य परिवहन (एस.टी.) बसों में महिलाओं को 50% यात्रा छूट देने की योजना अब वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में भी लागू होने जा रही है। इस निर्णय का श्रेय क्षेत्र की सक्रिय एवं ऊर्जावान विधायक श्रीमती स्नेहा ताई दुबे पंडित को दिया जा रहा है, जिन्होंने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए लगातार प्रयास किए।

हालाँकि एमएमआरडीए क्षेत्र के अन्य शहरों जैसे ठाणे और नवी मुंबई में यह योजना पहले ही लागू हो चुकी थी, लेकिन वसई-विरार की महिलाएं अब तक इससे वंचित थीं। इस असमानता को दूर करने के लिए विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित ने राज्य के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अदिति तटकरे तथा वसई-विरार महानगरपालिका आयुक्त अनिल कुमार पवार के साथ नियमित पत्राचार और फॉलोअप किया इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, 23 मई 2025 को आयुक्त अनिल कुमार पवार ने एक आधिकारिक पत्र जारी कर यह घोषणा की कि 1 जून 2025 से वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में महिलाओं को बस यात्रा पर 50% छूट प्रदान की जाएगी।

इस निर्णय से क्षेत्र की हजारों महिला यात्रियों को आर्थिक रूप से राहत मिलेगी। महिला यात्रियों ने इस पहल का स्वागत करते हुए विधायक स्नेहा ताई दुबे पंडित का आभार व्यक्त किया है और उनके प्रयासों की विशेष सराहना की है।

सादगी से मनाया गया वरिष्ठ पत्रकार महाराष्ट्र राज्य जयवंत अहिरे जी का जन्मदिन

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र तक न्यूज के एडिटर इन चीफ वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे जी का जन्मदिन टीमा के अध्यक्ष वेलजी भाई गोगरी की ओर से शनिवार 24 मई 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत टांकी नाका स्थित टीमा कार्यालय में बड़े ही सादगी से मनाया गया। वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे जी व्यवहार कुशल, खुशमिजाज, सुसंस्कृत, मजलूमों के चहेते के रूप में पालघर जिले में किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। इस मौके पर टीमा अध्यक्ष वेलजी भाई गोगरी समेत बुद्धजीवियों, स्नेही मित्रों, पत्रकारों ने वरिष्ठ पत्रकार जयवंत अहिरे जी को जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए सतत शतायु एवं निरोगी बने रहने की कामना की।

श्यामनारायण ठाकूर झगडू सिंह मनोरंजन मैदान के नूतनीकरण के उपरांत एकनाथ शिंदे ने किया लोकार्पण

कांदिवली, मुंबई (उत्तरशक्ति)। मुम्बई के कांदिवली स्थित ठाकुर कॉम्प्लेक्स परिसर में शिवतेज आरोग्य सेवा प्रतिष्ठान द्वारा संचालित श्यामनारायण ठाकूर झगडू सिंह मनोरंजन मैदान के सौन्दर्यीकरण, नूतनीकरण के उपरांत महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने लोकार्पण किया। इस उद्यान में बच्चों के लिए विभिन्न खेलों के साधन, वॉलीबॉल, बैडमिंटन तथा पिकल बॉल जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई गई है। इस अवसर पर उत्तर मुम्बई के पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी, विधायक अतुल भातखलकर, महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण महामंडल के अध्यक्ष सिद्धेश रामदास कदम, शिवसेना प्रवक्ता शीतल म्हात्रे और भाजपा तथा शिवसेना के पदाधिकारी और स्थानीय नागरिक उपस्थित थे।

सरकारी भूमि को भरने के लिए नालों की गाद का उपयोग

ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज करें : अर्जुन ईंगोले

वसई रोड (उत्तरशक्ति)। मानसून सीजन से पहले वसई विरार महानगरपालिका के नालों की सफाई करने वाला ठेकेदार, बिना परमिट के नाले से निकाली गई गाद को भरने के लिए सरकारी जमीन पर डाल रहा है। भारतीय जनता पार्टी वसई रोड मंडल अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष अर्जुन इंगोले ने मांग की है कि उस ठेकेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया जाए जो बिना परमिट के शहरी बस्ती से सटी सरकारी जमीन पर नाले से बदबूदार कीचड़ डाल जा रहा है।

वसई विरार शहर महानगरपालिका द्वारा मानसून पूर्व नाले की सफाई का कार्य एक ठेकेदार के माध्यम से चल रहा है। वसई विरार शहर महानगरपालिका वार्ड समिति एच के दीवानमन में चल रही नाले की सफाई से निकलने वाला बदबूदार कीचड़ अवैध रूप से सनसिटी स्थित टेम्पो स्टैंड के पीछे डाला जा रहा है, जिससे सरकारी जमीन भर गई है। ठेकेदार ने नाले से निकाले गए बदबूदार कीचड़ को सरकारी जमीन पर डालने के लिए राजस्व विभाग से कोई अनुमति नहीं ली है। इस स्थल के समीप एक शहरी बस्ती है। इसलिए, उक्त सरकारी सर्वेक्षण संख्या 176 स्थल पर डाला गया दुर्गंधयुक्त कीचड़ क्षेत्र के नागरिकों के लिए स्वास्थ्य जोखिम पैदा करने की संभावना है।

अर्जुन इंगोले ने वसई तहसीलदार को लिखित शिकायत देकर मांग की है कि दीवानमान गांव में सरकारी जमीन सर्वे क्रमांक 176 पर बिना परमिट के नाले से बदबूदार गाद डालने वाले ठेकेदार के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाए। वसई तहसीलदार ने भी तत्काल जांच और कार्रवाई के आदेश दिए हैं।

ब्रॉडवे हॉल, वसई में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती पर कार्यशाला संपन्न

वसई (उत्तरशक्ति)। वसई (पूर्व) ब्रॉडवे हॉल में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें उनके महान कार्यों, सुशासन, सामाजिक न्याय और नारी सशक्तिकरण के मूल्यों पर गहन चर्चा हुई। अहिल्यादेवी का योगदान महाराष्ट्र के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है, और यह आयोजन उनके विचारों के पुनर्जागरण का माध्यम बना।

इस अवसर पर भाजपा महाराष्ट्र के राज्य मुख्य प्रवक्ता केशवजी उपाध्याय, विधायक राजन नाईक, जिला अध्यक्ष महेंद्र पाटिल, तथा विधानसभा अध्यक्ष मनोज पाटिल ने अपने प्रेरक वक्तव्यों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को ऊर्जा और दिशा प्रदान की।

कार्यशाला में राजू म्हात्रे, श्रीमती अपर्णा पाटिल, श्रीमती निशा फाटक, तथा हरीश बेदी समेत सभी मंडल अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अहिल्यादेवी होल्कर के आदर्शों के माध्यम से सामाजिक चेतना का विस्तार करना था। सभी उपस्थितजनों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेकर समाज सेवा एवं सुशासन के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया।

मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ ने कुर्ला इलाके का किया दौरा

मुंबई (उत्तरशक्ति)। बरसात का मौसम आ गया है। लेकिन मुंबई उपनगर के अनेक इलाकों में आज भी बड़े नालों की साफ सफाई नहीं हो पाई है। इसके अलावा अनेक जगहों पर शुरू सड़कों का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो पाया है।

इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष और सांसद वर्षा ताई गायकवाड़ ने शनिवार की सुबह कुर्ला के वत्सलाताई नगर, श्रमजीवी नगर, कुर्ला सिग्नल और यहां के आसपास के नालों की साफ सफाई का निरीक्षण किया। इसके अलावा कुर्ला के भाभा अस्पताल में जाकर वहां के मरीजों से प्रत्यक्ष मुलाकात की। वर्षा ताई गायकवाड़ के साथ इस दौरे में उत्तर मध्य मुम्बई जिला कांग्रेस के कार्याध्यक्ष सुभाष भालेराव और बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता उपस्थित थे।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुंबई में बरसात का मौसम आ गया है। मुंबई मनपा द्वारा एक माह पहले से ही उपनगर के नालों की सफाई किए जाने का दावा किया जा रहा था। लेकिन हाल ही में हुई बरसात के कारण जगह जगह हुए जलजमाव ने मनपा के दावों की पोल खोल दी। इसी परिप्रेक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मुंबई कांग्रेस की अध्यक्ष वर्षा ताई गायकवाड़ ने अपने संसदीय क्षेत्र के कुर्ला विधानसभा के अंतर्गत आने वाले वत्सला ताई नाइक नगर, श्रमजीवी नगर, कुर्ला सिग्नल और यहां के बड़े नालों की साफ सफाई का निरीक्षण किया। इसके अलावा कुर्ला भाभा अस्पताल में बीमार मरीजों और उनके परिजनों से मुलाकात कर अस्पताल में व्याप्त दुर्व्यवस्था को सुना। बताया जाता है कि बड़ी संख्या में डायरिया से पीड़ित मरीज यहां इस समय भर्ती हैं। अस्पताल में कर्मचारियों से लेकर डॉक्टर की कमी का सामना मरीजों को करना पड़ रहा है।

वर्षा ताई गायकवाड़ के साथ इस दौरे में उत्तर मध्य मुम्बई जिला कांग्रेस के कार्याध्यक्ष सुभाष भालेराव और बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद थे। इस दौरान वर्षा ताई गायकवाड़ ने कुर्ला टर्मिनस के समीप स्थित साबले नगर और क्रांति नगर के निवासियों की समस्या भी सुनी।

जव्हार तहसील में बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना से किसानों को मिला लाभ

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के जव्हार तहसील के कापरीचा पाडा गांव में बिरसा मुंडा कृषि क्रांति योजना के तहत पूर्ण हुई कुओं का निरीक्षण ग्राम विकास और पंचायती राज विभाग के प्रधान सचिव (भा.प्र.से.) एकनाथ डवले ने किया। इस योजना से किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध हो रहा है, जिससे सब्जी और फल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। डवले ने विश्वास जताया कि इन कुओं से किसानों की आय दोगुनी हो सकती है। पालघर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने बताया कि सोलर और डीजल पंपों के माध्यम से किसानों को पानी की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है, जिससे उनकी आमदनी बढ़ रही है। अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे ने जानकारी दी कि वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान जिले में 600 कुओं का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया है। इससे सतत कृषि और किसानों की आर्थिक प्रगति को बल मिल रहा है। इस अवसर पर परियोजना संचालक डॉ. रुपाली सातपुते, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी इजाज अहमद शरीक मसलत, जिला कार्यक्रम अधिकारी प्रवीण भावसार, जिला कृषि विकास अधिकारी सोमनाथ पिंजारी, गट विकास अधिकारी और अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए किसानों को शुभकामनाएं दीं। यह योजना किसानों के बीच नई ऊर्जा और उत्साह का संचार कर रही है। नकदी फसलें, सब्जी उत्पादन और फल बागवानी को बढ़ावा मिल रहा है। सोलर और डीजल पंपों से पानी की समस्या दूर होने के कारण किसान अब आधुनिक कृषि तकनीकों को अपना रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

वार्ड क्रमांक 10 को सर्व सुविधायुक्त बनाना ही हमारा उद्देश्य है : महेश म्हात्रे

मीराभायंदर (उत्तरशक्ति)। बदलते हुए समय के साथ साथ जनता को आधुनिक सुविधा उपलब्ध करवाना जनप्रतिनिधि की प्रथम नैतिक जिम्मेदारी होती है। जो वार्ड क्रमांक 10 में नही हो सका। और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया। उक्त बातें मीराभायंदर के आगरी कोली समाज प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष महेश म्हात्रे ने मुलाकात के दौरान कही। म्हात्रे ने आगे कहा कि यह वार्ड हमारा घर है और मैं अपने घर के परिवार को सुख सुविधा पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करता रहूँगा। अभी तक मैं लोगों के लिए जितना काम किया हूँ वह वार्ड की जनता भली भांति जनती है। और आगे भी करता रहूंगा। भाजपा जो आदेश देगी हर हाल में खरा उतरूंगा। आगामी आने वाले महानगरपालिका चुनाव के संदर्भ में युवा नेता व समाजसेवक महेश म्हात्रे ने कहा कि वार्ड की जनता मांग कर रही है कि मैं वार्ड 10 से चुनाव लडूं। मैं उन्हें कभी निराश नही करूंगा। और हमारे कार्य सम्राट विधायक नरेंद्र मेहता एवं जिला अध्यक्ष दिलीप जैन पर पूरा भरोसा है कि जनता की भावनाओं का पूर्ण सम्मान होगा। और पार्टी जो फैसला लेगी मुझे उस पर गर्व होगा। सामाजिक कार्यो में हमेशा रुचि रही। खासकर गरीब बच्चों, असहाय विधवा व लाचार महिलाओं और बुजुर्गों की मदत करना हमारे खून में बसा हुआ है। और बच्चों की फीस भरना, किताबों की व्यवस्था करना सबसे बड़ी सेवा मानता हूं। आज जन्म दिन के अवसर पर बुजुर्गों को वितरित होगा सिटीजन कार्ड। आज म्हात्रे का जन्म दिन है इस मौके पर वरिष्ठ नागिरिकों के लिए बनाया गया तमाम सरकारी योजनाओं का कार्ड भी वितरित किया जायेगा। जिसमें मुख्य रूप से जन आरोग्य व सीनियर सिटीजन कार्ड और प्रमाण पत्र दिया जायेगा। अंत में उन्होंने जनता से अपील करते हुए कहा कि इस बार लोग समझदारी का परिचय देते हुए साफ सुथरी छबि व विकास करने वाले को अवसर दें। और वार्ड क्रमांक 10 में स्थाई जल निकासी, साफ सफाई, आधुनिक गार्डन, वाचनालय,गर्भवती महिलाओं के लिए मुफ्त हॉस्पिटल, नवघर,घोड़देव व खारी गॉव के लोगो की मांग के अनुसार तलहटी कार्यालय को बेस्ट से भायंदर पूर्व में शुरू करवाना समेत कई अन्य कार्यो को पूरा किया जाएगा। और कभी किसी का भरोसा टूटने नही दूंगा।

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति**, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.- 9554493941** email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बीएचयू के MS पर भ्रष्टाचार का आरोप, मुर्दाबाद के लगाए गए नारे छात्रों ने फूंका पुतला

-डॉ.एस.के.मिश्र

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के सर सुंदरलाल चिकित्सालय में लगातार बढ़ती अव्यवस्थाओं, दलालों की सक्रियता एवं स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के विरोध में शनिवार को विश्वविद्यालय के छात्रों ने मेडिकल सुपरिंटेंडेंट ऑफिस के समीप प्रदर्शन किया।एसएस डॉ. के.के गुप्ता एवं आईएमएस निदेशक एसएन शंखवार का पुतला फूंका। प्रदर्शन के दौरान मीडिया से बात करते हुए छात्र प्रतिनिधि पुनीत मिश्रा ने कहा कि सर सुंदरलाल चिकित्सालय सिर्फ बीएचयू ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल समेत कई राज्यों के गरीब और जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवन रेखा है।

वाराणसी में माँ ने दिखाई ममता की मिसाल: बेटे को जीवनदान देने के लिए दान की अपनी किडनी

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में माँ की ममता की कोई सीमा नहीं होती, इसका एक जीवंत उदाहरण वाराणसी के कादीपुर में देखने को मिला। यहां की एक 54 वर्षीय मां ने अपने 21 वर्षीय बेटे की जान बचाने के लिए अपनी एक किडनी दान कर दी। बेटा पिछले एक साल से क्रोनिक किडनी डिजीज (उछड) से पीड़ित था और नियमित रूप से डायलिसिस पर था। बेटे की देखभाल करने वाली मां ने न केवल उसका संबल बनी रहीं, बल्कि उसका जीवन बचाने का भी संकल्प लिया।

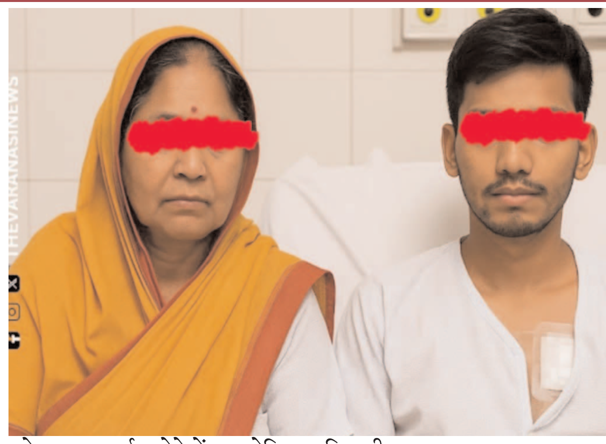

बीएचयू में हुआ सफल ट्रांसप्लांट

यह भावुक और साहसिक सर्जरी बीएचयू स्थित सर सुंदरलाल चिकित्सालय में शुक्रवार को संपन्न हुई। चार घंटे तक चली इस जटिल प्रक्रिया में डॉक्टरों ने मां की किडनी को सफलतापूर्वक बेटे में प्रत्यारोपित किया। अस्पताल की यह अब तक की पांचवीं सफल किडनी ट्रांसप्लांट सर्जरी है। ट्रांसप्लांट के बाद मां और बेटा दोनों स्वस्थ हैं और डॉक्टरों की निगरानी में तेजी से ठीक हो रहे हैं।

चिकित्सकों की टीम ने दी नई जिन्दगी

इस जटिल ऑपरेशन का नेतृत्व बीएचयू के प्रो. एस.एन. संखवार ने किया। उनके साथ प्रो. समीर त्रिवेदी, डॉ. यशस्वी सिंह, डॉ. उज्जवल कुमार, प्रो. शिवेंद्र सिंह और डॉ. अमृता समेत अन्य वरिष्ठ डॉक्टरों की टीम शामिल रही। डॉक्टरों ने माँ के इस साहसिक फैसले की सराहना करते हुए कहा कि यह उदाहरण मां-बेटे के रिश्ते की गहराई और मां की ममता की शक्ति को दर्शाता है।

समाज को प्रेरणा देने वाली कहानी

डॉक्टरों ने कहा कि इस तरह की घटनाएं समाज में अंगदान को लेकर जागरूकता बढ़ाने का कार्य करती हैं। माँ की यह निस्वार्थ भेंट न केवल बेटे के लिए जीवनदायिनी बनी, बल्कि समाज को यह भी बताया कि सच्चे प्रेम और ममता की कोई सीमा नहीं होती। इस प्रेरणादायक घटना ने न सिर्फ अस्पताल में मौजूद लोगों को भावुक किया, बल्कि हर उस इंसान के दिल को छू लिया जो इस सच्ची कहानी से रूबरू हुआ।

आपस में दो पहिया वाहन की जोरदार टक्कर,दो गम्भीर रूप से घायल, रेफर

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को तेज रफ्तार की कहर ने दो युवकों को बुरी तरफ से घायल कर दिया।जानकारी के अनुसार सरपतहां थाना क्षेत्र के रामनगर कटघर निवासी 26 वर्षीय अजय कुमार गौतम पुत्र मिठाईलाल गौतम एवं 17 वर्षीय कौशल पुत्र सूरज सुबह अपनी बाइक पर सवार को घर मे पड़े शादी का कार्ड वितरण करने जा रहे थे की रास्ते मे साराजहांगीर पट्टी पुलिया के पास विपरीत दिशा से आरही है तेज रफ्तार बाइक सवार से टक्कर आमने सामने की जोरदार टक्कर हो गयी जिसमे उक्त दोनों युवक गम्भीर रूप से घायल हो गए।आनन फानन में ग्रामीणों की मदद से उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया।जहां प्राथमिक उपचार के हालत गम्भीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु चिकित्सकों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

पिकअप वाहन स्वामी थाने पर करवाये सत्यापन, नही तो हो सकती है परेशानी

थाना क्षेत्र में लगभग 450 वाहन होने का है अनुमान

-विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जनपद में बढ़ रहे पशु तशकरों के हौसलों को पस्त करने एवं शासन के जीरो टॉलरेंस की नीति को देखते हुए जनपद पुलिस अब एक्शन में आगयी है।प्रतिबंधित पशुओं और मवेशियों की खरीद फरोख्त में अधिकांश पिकअप वाहन (ढाला) को प्रयोग में तशकर लेते हैं।जिससे वो अपने इस अवैध कारोबार को अंजाम देते है।अब जनपद पुलिस पूरे जनपद लगभग दस हजार रजिस्टर्ड पिकप वाहन का सत्यापन थाने से करवाना होगा।वाहन पर पुलिस एक अलग प्रकार पेंट और हर अलग अलग थाने का कोड और नम्बरिंग होगी।जिससे वाहनों की पहचान

करने में आसानी और किसी प्रकार का अपराध कारित होने आसानी से ऐसे कारोबारों में लिप्त लोगों की पहचान हो सके।इसी क्रम शनिवार को कोतवाली पुलिस दर्जनों पिकप वाहन का सत्यापन करते हुए उसपर पेंट और कोड को अंकित किया।इस सम्बंध में पूछे जाने पर प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने बताया की कप्तान साहब के आदेश पर सभी पिकअप वाहनों के चिन्हांकन के लिए कोड अंकित किया जा रहा है। जो पूरे जनपद में चल रहा है। बताते चले की जनपद के चन्दवक में पशु तस्करों ने पुलिस की घेराबंदी के पिकअप से चंदवक थाने में तैनात सिपाही को रौंद दियाथा। इससे घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। दूसरी घटना में जलालपुर थाना क्षेत्र के चंवरी बाजार में संदिग्ध पिकअप सवारों ने पराउगंज चौकी इंचार्ज प्रतिमा सिंह सहित चार पुलिस कर्मियों को रौंद दिया था। पुलिस कर्मियों का इलाज अभी भी चल रहा है।

एमएलसी ने रानी अहिल्याबाई होलकर के जन्म त्रिशताब्दी पर लगे प्रदर्शनी का किया उद्घाटन

वाराणसी(उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया।भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय केशरीपुर रोहनिया में पुण्यश्लोक रानी अहिल्याबाई होलकर त्रिशताब्दी अभियान के तहत उनके जीवन पर आधारित प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष एवं विधान परिषद सदस्य हंसराज विश्वकर्मा ने किया एवं जिला और मण्डल के कार्यकर्ताओं के साथ प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, संजय सोनकर, जिला उपाध्यक्ष अरविन्द पटेल, जिलामंत्री अश्वनी पाण्डेय, पूर्व मण्डल अध्यक्ष मिलन मौर्य, गौरव सिंह पटेल, जितेंद्र केसरी, अवधेश उपाध्याय, वीरेंद्र सिंह राजू प्रजापति एवं अजय विश्वकर्मा आदि कार्यकर्ता रहे।

उत्तर प्रदेश मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ जौनपुर का द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश मिनिस्टीरियल कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ जौनपुर का द्विवार्षिक चुनाव निर्विरोध संपन्न होने के पश्चात शनिवार को कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में शपथ ग्रहण आयोजित हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी डॉ० दिनेश चंद्र द्वारा सभी निर्वाचित पदाधिकारी को शपथ दिलाया गया।

शपथ ग्रहण समारोह में सर्वप्रथम जिलाधिकारी व अपर जिलाधिकारी को नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष विजय प्रताप सिंह व महामंत्री राजीव श्रीवास्तव व संरक्षक शिवमोहन श्रीवास्तव द्वारा पुष्पगुच्छ व अंगवस्त्रम प्रदान कर किया गया। तत्पश्चात जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद द्वारा शपथ ग्रहण कराया गया।

इस दौरान जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा के जनपद जौनपुर में जितने भी कलेक्ट्रेट कर्मचारी हैं सब बहुत ही अच्छे तरीके से अपने कर्तव्यों का निर्माण कर रहे हैं जिसकी वजह से जौनपुर जनपद

शासन के प्रत्येक मामले में पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान ले आ रहा है। उन्होंने कहा कि मैं नवनिर्वाचित कमेटी से अपेक्षा करूंगा की माननीय मुख्यमंत्री जी के निदेशानुसार अंतिम व्यक्ति तक शासन की योजनाएं ईमानदारी से पहुंचाएं।

ज्ञात हो कि इससे पूर्व निर्वाचन 9 अप्रैल 2025 को संपन्न हुआ था, जिसमे सर्वसम्मति से जिला अध्यक्ष विजय प्रताप सिंह व महामंत्री राजीव श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन कुमार मौर्य, कनिष्ठ उपाध्यक्ष राकेश गौतम, संयुक्त मंत्री मेहंदी राजा सहित अन्य पदाधिकारियों का निर्वाचन हुआ था। उक्त शपथ समारोह में प्रमुख रूप से अपर जिलाधिकारी, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह, अरविंद शुक्ला, पेंशनर एसोसिएशन के सीबी सिंह, माध्यमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, पीडब्ल्यूडी के अध्यक्ष टी समेत सतीश पाठक, जंग बहादुर सिंह, प्रिंसिपल सिंह, डॉक्टर सुभाष सिंह, संतोष बघेल, शैलेंद्र सिंह, राघवेंद्र सिंह सहित जनपद के अन्य विभागों के समस्त संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन आशीष त्रिपाठी द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता विजय प्रताप सिंह द्वारा की गई।

तीन दिवसीय सी .आर .ई . प्रोग्राम का हुआ समापन

-रियाजुल हक

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। नगर क्षेत्र रूहट्टा में संचालित राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन दिव्यांग बच्चों का स्कूल एवं पुनर्वास केंद्र द्वारा शास्त्री कॉन्वेंट स्कूल में तीन दिवसीय सी आर ई प्रशिक्षण के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का आज तीसरा और अंतिम दिन था। सी.आर . ई एक सतत पुनर्वास शिक्षा जो भारतीय पुनर्वास परिषद द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम है जो पुनर्वास पेशेवरों के लिए ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए डिजाइन किया गया है। उक्त कार्यक्रम वे शैक्षिक प्रक्रियाएँ हैं जिनमें पुनर्वास पेशेवरों को उनके क्षेत्र में अपनी ज्ञान, कौशल और प्रैक्टिस को सुधारने का मौका प्राप्त होता है। इसके माध्यम से पेशेवरों को नवाचारों की जानकारी, नए तकनीकी उपायों का अध्ययन, और बेहतर स्वास्थ्य देखभाल के लिए नए दृष्टिकोण मिलते हैं। पुनर्वास पेशेवरों का ज्ञान और कौशल पुनर्वास सेवाओं में सुधार,नई तकनीकों और विधियों का विकास वकलांग व्यक्तियों को बेहतर सेवा प्रदान कर सकते हैं। उक्त कार्यक्रम में 58 पेशेवर प्रशिक्षण लिए है 'संस्था की सचिव व कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किरन ने अपने हाथों से सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किया और कहा कि अपेक्षा करती हूं कि प्रशिक्षण द्वारा ज्ञान अर्जन कर सभी प्रतिभागी अपने ज्ञान सही व व्यवहारिक उपयोग करेंगे जिससे दिव्यांग बच्चे ,उनका परिवार और समाज के लोग लाभान्वित हो सके ।पूरे कार्यक्रम की रूपरेखा व प्रबंध समाज सेवी डॉ. प्रमोद सैनी ने किया' कार्यक्रम के समन्वयक संदीप कुमार यादव ने प्रशिक्षकगण संतोष मिश्रा, विनोद माली, दुष्यंत सिंह, रमेश मौर्य , रामजीत मौर्य, कमलेश यादव , सुशील दीक्षित व संतोष सिंह को आमंत्रित किए संस्था की विशेष शिक्षिका हेमू वर्मा का कार्यक्रम में विशेष सहयोग रहा।विशिष्ट अतिथि मनीष सिन्हा ने स्कूल के प्रबंधक आनंद मोहन अस्थाना व अन्य सभी के प्रति आभार किया और कहा कि ज्ञान का सही उपयोग करने से खुद को आत्म संतुष्टि मिलती है।कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष अजय श्रीवास्त, पत्रकार विश्व प्रकाश श्रीवास्तव प्रवेश गुप्ता, रौनक गुप्ता इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

महाराष्ट्र के पूर्व गृहराज्यमंत्री कृपाशंकर सिंह के नेतृत्व में निकली तिरंगा यात्रा

बक्शा, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा विकास खण्ड के लखनीपुर अम्बेडकर मूर्ति स्थल से शनिवार की शाम ऑपरेशन सिन्दूर की शौर्य गाथा एवं सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृहराज्यमंत्री एवं भाजपा नेता कृपाशंकर सिंह, प्रदेश भाजपा प्रवक्ता एवं पत्रकार ओमप्रकाश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के नेतृत्व में निकाली गयी। तिरंगा यात्रा नौपेड़वा बाजार होते हुए लकड़मंडी होते हुए पाठक पेट्रोल पंप पहुँच समापन हुआ। यात्रा में भारतमाता की जय के जयघोष से बाजार गुंजायमान रहा। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता सुधाकर उपाध्याय, प्रभारी प्रबुद्ध दुबे,पूर्व प्रमुख जयप्रकाश सिंह राना, रत्नाकर सिंह, शशि सिंह, मण्डल अध्यक्ष भूपेश सिंह, नीलेश पांडे,सूर्यप्रकाश चौबे, डब्लू उपाध्याय, अवनीश दूबे, प्रधान, लालसाहब सिंह ,ललित नेतासहित सैकड़ों लोग मौजूद रहा।

शादी की रात द्वारपूजा के दौरान हुई मारपीट में पिता-पुत्र समेत चार घायल

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। सरपतहां थाना क्षेत्र के मनवल गांव में शुक्रवार की रात द्वारपूजा के दौरान हुई मारपीट में पिता-पुत्र समेत चार घायल हो गये। बताया जाता है कि सुलतानपुर जनपद के दोस्तपुर थाना क्षेत्र स्थित हमीदपुर से क्षेत्र के मनवल गांव में बारात आई थी। द्वारपूजा के समय डीजे वाले वाहन से टेन्ट का आंशिक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, इसी को लेकर हुए विवाद में मारपीट हो गई जिसमें वरपक्ष से सुखदेव विश्वकर्मा और उसका पुत्र राहुल तथा अनुराग और शत्रुहन विश्वकर्मा घायल हो गये। सभी घायलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सुइथाकला में कराया गया। थाना प्रभारी अमित सिंह ने बताया कि मामले में अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, पीड़ित पक्ष की तहरीर मिलने पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जायेगी।

थाना दिवस पर एसपी ग्रामीण ने सुनी जनता की समस्याएं

बदलापुर ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शनिवार को थाना कोतवाली परिसर में थाना समाधान दिवसह्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नवागत अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण आतिश कुमार सिंह ने की। समाधान दिवस के दौरान क्षेत्रीय जनता की विभिन्न शिकायतों को सुना गया तथा कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। प्राप्त शिकायतों में अधिकांश मामले राजस्व विभाग से संबंधित रहे। इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक बदलापुर मनोज कुमार पांडेय, राजस्व विभाग के कानूनगो एवं लेखपाल आदि मौजूद रहे।

लाखों की लागत से लगे 21 सीसीटीवी कैमरे: ज्योति कृष्णा जायसवाल

नगर पंचायत कार्यालय में बना रिकॉर्ड रूम, हर गतिविधि पर रहेगी नजर

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर पंचायत केराकत में अब सुरक्षा व्यवस्था को और पुख्ता कर दिया गया है। नगर के प्रमुख चौराहों, भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर अब तक कुल 21 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। यह कार्य लाखों रुपये की लागत से पूरा किया गया है।नगर पंचायत की इस पहल से अब नगर में अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर नियंत्रण रखने में काफी मदद मिलेगी। इन कैमरों से जुड़ा एक अत्याधुनिक रिकॉर्ड रूम नगर पंचायत कार्यालय परिसर में ही बनाया गया है। जहां से सभी कैमरों

की निगरानी की जा रही है।नगर अधिशासी अधिकारी सना सगीर ने बताया कि सभी कैमरे उच्च गुणवत्ता वाले हैं। जिनसे दिन-रात की गतिविधियों को रिकॉर्ड किया जा सकता है। व्यापारियों ने इस योजना का स्वागत किया,बताया कि बाजारों में चोरी, जेबकतरी और अन्य अपराधों में कमी आएगी। महिलाओं और बुजुर्गों ने भी इसे सुरक्षा की दिशा में अहम कदम बताया है।नगर पंचायत अध्यक्ष ज्योति कृष्णा जायसवाल का कहना है कि आने वाले समय में और भी अधिक स्थानों पर कैमरे लगाए जाएंगे। साथ ही रिकॉर्ड रूम को और अधिक तकनीकी सुविधाओं से सुसज्जित किया जाएगा।जिससे निगरानी व्यवस्था को और सुदृढ़ किया जा सके।

तेजीबाजार पुलिस नो हत्या के वांछित 04 आरोपियों को आलाकत्ल के साथ किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पुलिस अधीक्षक जौनपुर द्वारा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे।अभियान के क्रम में पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के दिशा-निर्देशन एंव क्षेत्राधिकारी सदर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना तेजीबाजार पुलिस टीम द्वारा हत्या में वांछित 04 आरोपियों को मुखबिर की सूचना पर दिनांक 24.05.2025 को समय करीब 5.30 बजे सुबह कंधी सई नदी पुल के पास से गिरफ्तार किया गया व कब्जे से घटना में प्रयुक्त 04 डंडा बरामद किया गया। घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनांक 23/24.05.2025 की रात्रि में ग्राम पिपरी थाना तेजीबाजार जौनपुर में पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में मारपीट की घटना में रणजीत पुत्र राम अजोर नि0 हैदरपुर थाना तेजीबाजार जौनपुर काफी चोट लगने के कारण दवा ईलाज ले जाते समय रास्ते मे मृत्यु हो जाने के संबंध में थाना तेजीबाजार जौनपुर पर प्राप्त तहरीर के आधार पर मु0अ0सं0 66/2025 धारा 103(1) बीएनएस बनाम 1.कपूर चन्द्र पुत्र राम खेलावन, 2.लकी पुत्र कपूरचन्द्र निवासीगण ग्राम पिपरी थाना तेजीबाजार जौनपुर व 3.अशोक पुत्र मोतीलाल निवासी ग्राम तियरा थाना बदलापुर जनपद जौनपुर, 4. राजन विश्वकर्मा पुत्र बहादूर नि0 सिरकिना थाना सिंगरामऊ जौनपुर के पंजीकृत कर मुखबिर की सूचना पर आरोपियों को गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद का द्वितीय स्थापना दिवस 27 मई को, पत्रकार एकता का प्रतीक बनेगा आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पत्रकारों के हितों की सुरक्षा एवं उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्षरत संस्था राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद (रजि.) का द्वितीय स्थापना दिवस इस वर्ष भी गरिमा व उत्साह के साथ मनाया जाएगा। यह कार्यक्रम 27 मई 2025 को शाम 4 बजे जनपद जौनपुर के मण्डल कार्यालय, जलालपुर (थाना गद्दी रोड, रेलवे क्रॉसिंग के पास) पर आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर जिले भर के पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं प्रशासनिक अधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित है। कार्यक्रम का उद्देश्य पत्रकारों के बीच एकजुटता,

सुरक्षा, संवाद व सहयोग की भावना को और अधिक सशक्त बनाना है। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद जौनपुर इकाई के जिलाध्यक्ष तामीर हसन 'शीबू' ने सभी पत्रकार साथियों से समय का विशेष ध्यान रखते हुए कार्यक्रम में पहुंचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का चौथा स्तंभ है, और इसकी मजबूती हम सबकी सहभागिता से ही संभव है। यह आयोजन न केवल परिषद की उपलब्धियों को साझा करने का मंच होगा, बल्कि आने वाले समय में पत्रकारों के सामने आने वाली चुनौतियों व उनके समाधान पर भी गंभीर मंथन किया जाएगा।

कार्यक्रम मण्डल कार्यालय, जलालपुर, थाना गद्दी रोड, रेलवे क्रॉसिंग के पास समयः शाम 4 बजे 27 मई 2025 को आयोजित किया जा रहा है।

शादी का विवाद सुलझान गये युवक की हत्या, चार लोगों के खिलाफ लोगों के खिलाफ मुदकमा दर्ज, गिरफ्तार

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शादी में विवाद सुलझाने गए युवक की हत्या कर दी गयी। खुशियां मातम में बदल गयी, चार लोगों के खिलाफ लोगों के खिलाफ मुदकमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। युवक की पीट-पीटकर हत्या के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। आसपास के लोगों से घटना की जानकारी लेने के बाद शव को कब्जे में ले लिया गया। इसके साथ ही आरोपियों के खिलाफ रपट दर्ज कर उन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के एक गांव में शुक्रवार को आई बरात में मारपीट ने एक युवक की जान ले ली। पिपरी गांव में फूलचंद विश्वकर्मा ने अपनी बेटी की शादी आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के बैजलपुर गांव में तय किया था। शुक्रवार तय तिथि पर समय से उनके घर बरात आई और सबकुछ ठीक चल रहा था। इसी थाना क्षेत्र के हैदरपुर गांव निवासी 32 वर्षीय रणजीत विश्वकर्मा भी अपने परिवार के साथ शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया था। द्वारचार लगने के बाद बराती डीजे पर डांस करने को लेकर आपस में विवाद कर लिए, तो किसी तरह उन्हें शांत कराया गया। कुछ समय बीतने पर दोबारा विवाद शुरू हो गया। रणजीत विवाद को खत्म कराने के लिए पहुंचा तो बराती पक्ष से कहासुनी हो गई।विवाद बढ़ गया और मारपीट शुरू हो गई। लड़की पक्ष के लोग रंजीत को विवाद का जड़ समझ बरात पक्ष से हो गए। विवाद सुलझाने की बजाय रणजीत से उलझ गए। रणजीत की पिटाई शुरू कर दी। मारपीट की घटना में रणजीत की मौके पर मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही सीओ सदर परमानंद कुशवाहा एवं थानाध्यक्ष दिव्य प्रकाश सिंह, पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। सीओ सदर परमानंद कुशवाहा ने बताया की शादी समारोह में मारपीट के मामले में चार लोगों पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। कपूरचंद, अशोक विश्वकर्मा, राजन विश्वकर्मा, लकी विश्वकर्मा को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है।

जौनपुरः खेत में बकरी चरने की घटना ने लिया हिंसक रूप

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के चोरसंड गांव में एक मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया, जब शुक्रवार की शाम खेत में बकरी चले जाने के मामले को लेकर पट्टीदारों ने एक पिता-पुत्री को बेरहमी से पीट डाला।पीड़ित महेंद्र गौतम (50 वर्ष) पुत्र स्व. बंसराज गौतम ने आरोप लगाया कि उनकी बकरी गलती से पट्टीदार सुरेंद्र गौतम के बैंगन के खेत में चली गई, जिस पर सुरेंद्र और उसके तीन बेटों—गोलू, मोनू और सोनू—ने घर आकर पहले गाली-गलौच किया। विरोध करने पर सुरेंद्र व उसके बेटों ने छह अज्ञात युवकों को भी बुला लिया और महेंद्र के साथ-साथ उनकी शादीशुदा बेटी राधिका (पत्नी आनंद), जो बच्चों की छुट्टी पर मायके आई थी, दोनों को लाठी-डंडों और लोहे की रॉड से पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। परिजनों ने दोनों घायलों को गंभीर स्थिति में जौनपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि स्थानीय पुलिस दबंगों का साथ दे रही है और गरीबों की सुनवाई नहीं हो रही।इस घटना ने गौराबादशाहपुर में कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्र में इससे पहले भी बादल यादव और अनुराग यादव की घटनाओं ने पुलिस की निष्क्रियता को उजागर किया था।

परिंदों के लिए बांधे परिंडे

चिराना। हमारे आसपास रोज सुबह शाम विभिन्न प्रकार की पक्षियों की मधुर आवाज हमारे मन को सकून देने वाली लगती है और रंग बिरंगे उड़ते पक्षी प्रकृति को सुंदर बनाते है. इन बेजुबान पक्षियों के लिए तपती धूप की परवाह न कर मोक्षधाम जैसे निर्जन स्थान और आम राह में परिंडे लगाकर डॉ राजेंद्र कुमावत ने विचरण करते प्यासे व लाचार पक्षियों की प्यास बुझाने के लिए दिलेरी दिखाते हुए पुण्य का काम किया है। एकादशी के पावन दिवस पर किए गए इस पुण्य कार्य में अनिल बारी, रामचंद्र सिंह,रणजीत सिंह,दयाल सिंह व संजय पाराशर ने सहयोग किया।

बीएमसी के पूर्व अधीक्षक रामचंद्र पांडे का सम्मान

सुल्तानपुर। बृहन्मुंबई महानगरपालिका शिक्षण विभाग के पूर्व अधीक्षक तथा हिंदी भाषी शिक्षकों के बीच अत्यंत लोकप्रिय रामचंद्र पांडे का आज उनके गांव बेदूपारा, लंभुआ में उनके नवनिर्मित आवास पर गणपति बप्पा की प्रतिमा देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार शिवपूजन पांडे, राज्य पुरस्कृत शिक्षक एडवोकेट भारत पांडे, महापौर पुरस्कृत शिक्षक दिनेश सिंह, पूर्व शिक्षक रामशंकर पांडे, श्रृंगारमणि तिवारी समेत अनेक लोग उपस्थित रहे। रामचंद्र पांडे की हिंदी के साथ-साथ मराठी, अंग्रेजी और संस्कृत में भी अच्छी पकड़ है। यही कारण है कि वे आज भी विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में विशेष रूप से आमंत्रित किए जाते हैं।

नहाते समय नहर में डूबे दो भाई

श्रावस्ती (उत्तरशक्ति)। यूपी के श्रावस्ती में शनिवार की दोपहर नहाते समय दो भाई नहर में डूब गए। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ लग गई। सूचना पर पहुंची पुलिस गोताखोरों की मदद से उनकी तलाश करने में जुटी है। मामला हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के देवरा के माजरा भाटनदेवरा गांव का है। गांव निवासी सरवर (24) पुत्र शेर अली अपने छोटे भाई बसारत (22) के साथ दोपहर को राप्ती सरयू योजक नहर में नहाने गया था। दोनों ने अपनी चप्पल, कपड़ा, साबुन, तौलिया समेत अन्य सामान नहर के किनारे रख दिया। इसके बाद नहर में नहाने लगे। इसी समय पैर फिसलने से सरवार अचानक गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए बसारत भी गहरे पानी में उतर गया। कुछ ही देर में दोनों भाई नहर में डूब गए। पास में मवेशी चरा रहे चरवाहों ने देखा तो भागकर पहुंचे। उन्होंने गांव आकर इसकी सूचना ग्रामीणों और परिजनों को दी। खबर मिली तो परिजन और ग्रामीण भागकर पहुंचे। उधर सूचना पर नायब तहसीलदार विजय प्रकाश गुप्ता के साथ मौके पर थानाध्यक्ष सौरभ सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे।

छोटी से बात पर चले लाठी-डंडे, युवक की मौत

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। बेलदहा गांव में मामूली विवाद को लेकर बड़े भाई-भाभी ने युवक को लाठी-डंडे से इस कदर पीटा कि उसकी मौत हो गई। घटना शुक्रवार शाम की है। वह फूल के पौधे पर बच्चे द्वारा लघुशंका किए जाने से नाराज थे। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया है। शव को पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बेलदहा गांव निवासी श्रीराम के पुत्र राजेंद्र और वीरेंद्र अगल-बगल रहते हैं। शुक्रवार को वीरेंद्र के पुत्र ने राजेंद्र के घर में लगे फूल के पौधे पर लघुशंका कर दिया। यह बात राजेंद्र और उसके घरवालों को नागवार लगी। इसे लेकर दोनों पक्षों में विवाद शुरू हुआ। आरोप है कि इसी विवाद में राजेंद्र, उसकी पत्नी और बेटी ने लाठी-डंडा लेकर वीरेंद्र पर हमला कर दिया। उसकी जमकर पिटाई की। बीच बचाव में आए पिता श्रीराम को भी धक्का दे दिया। किसी तरह वीरेंद्र को उनके चंगुल से छुड़ाया गया। गंभीर हाल में परिजन उसे चोपन सीएचसी ले गए, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सीओ सिटी डॉ. चारू द्विवेदी ने बताया कि मामूली विवाद में बड़े भाई, उसकी पत्नी व बेटी ने मिलकर युवक की लाठी-डंडे से पिटाई की। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। प्रकरण में मृतक की पत्नी की तहरीर पर केस दर्ज कर तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया गया।

बरातियों की कार पलटी, दूल्हे के भाई की मौत

बांसगांव (गोरखपुर)। मऊ जिले के घोसी कोतवाली क्षेत्र के अमरपुर जामडीह गांव के पास शुक्रवार की सुबह बरातियों की कार खाई में पलट गई। घटना में एक की मौत हो गई और कार सवार चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि चालक को झपकी आने की वजह से हादसा हुआ है। मृतक की पहचान दूल्हे के भाई चंद्रमोल त्रिपाठी उर्फ दीपू (38) के रूप में हुई। वहीं, बांसगांव थाना क्षेत्र के पांडेय तिघरा निवासी किशन पांडेय (30), संदीप प्रजापति (30), भीटी तिवारी निवासी मदन तिवारी (18) और उनके भाई बिशु तिवारी (19) गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के मुताबिक, बांसगांव थाना क्षेत्र के ग्राम भीटी तिवारी के आनंद त्रिपाठी के यहां से बृहस्पतिवार की शाम बरात मधुबन थाना के खीरीकोठा गई थी। रातभर वैवाहिक कार्यक्रम संपन्न कराने के बाद भोर में बराती वापस लौट रहे थे। उनमें से एक कार मधुबन घोसी मार्ग होते हुए गोरखपुर-वाराणसी फोरलेन की तरफ जा रही थी। सुबह करीब 6:30 बजे कार अमरपुर जामडीह गांव के पास पहुंची थी कि चालक को अचानक झपकी आ गई। इतने में कार पुलिया की रेलिंग से टकराई और खाई में पलट गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजवाया। चारों की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घटना के बाद बांसगांव के भीटी तिवारी गांव में कोहराम मच गया। शादी वाले घर में मातम छा गया।

सीमेंट लदा ट्रेलर गड्ढे में पलटा, चालक ने कुद कर बचाई जान

गोरखपुर (उत्तरशक्ति)। एम्स थानाक्षेत्र के बहरामपुर बड़ी कुरमौल के पास शुक्रवार की देर रात मोतीराम अड्डा, कुसम्ही बाजार मार्ग पर सीमेंट लदा ट्रेलर अनियंत्रित होकर पलट गया। सड़क के नीचे गड्ढे था, जिसमें ट्रेलर जाकर पलट गया। गनीमत रही कि इसमें पानी भरा था, जिस वजह से ड्राइवर को मौका मिल गया। ड्रावर ने पानी में ही कूदकर आपनी जान बचाई। इस घटना में कोई हताहत होने हुआ।

बिजली कर्मियों ने जलाई तानाशाही आदेशों की प्रतियां, बर्खास्त हो चेयरमैन

सुरेश गांधी

वाराणसी। प्रदेश भर में विद्युत कर्मियों के आंदोलन के चौथे दिन शुक्रवार को वाराणसी में भिखारीपुर स्थित प्रबंध निदेशक कार्यालय पर हजारों बिजली कर्मचारियों ने प्रदर्शन कर निजीकरण और बिजली दरों में बेतहाशा बढ़ोत्तरी के खिलाफ आवाज बुलंद की। इस दौरान पावर कॉर्पोरेशन द्वारा जारी किए गए असंवैधानिक बर्खास्तगी आदेशों की प्रतियां भी जलाई गईं। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले आयोजित इस विरोध सभा में वक्ताओं ने पॉवर कॉर्पोरेशन के चेयरमैन डॉ. आशीष गोयल को हटाने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि वह औद्योगिक अशांति का वातावरण बनाकर हड़ताल थोपने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही निदेशक वित्त निधि नारंग का

कार्यकाल दूसरी बार बढ़ाया जाना भी निजीकरण के संभावित घोटाले से जोड़कर देखा गया। समिति के पदाधिकारियों ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 311(2) का उल्लंघन कर कर्मचारियों की बर्खास्तगी का आदेश देना लोकतंत्र का अपमान है। वक्ताओं ने कहा कि निदेशक वित्त निधि नारंग का कार्यकाल दूसरी बार बढ़ाया जाना भी इस घोटाले से जुड़ा है, क्योंकि उन्होंने विवादित कंसल्टेंट ग्रांट थॉर्टन को क्लीन चिट दी है। संघर्ष समिति के राजेंद्र सिंह, मनोज यादव, प्रमोद कुमार, ई. माया शंकर तिवारी सहित अन्य वक्ताओं ने कहा कि बिजली कर्मी शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन उन्हें धमकाया जा रहा है और असंवैधानिक आदेश जारी किए जा रहे हैं। इस दौरान वक्ताओं ने सरकार और प्रशासन पर पक्षपात का आरोप लगाया और सीबीआई जांच की मांग की। वक्ताओं ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे कर्मचारियों को धमकी देना निंदनीय है और सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। वक्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से हस्तक्षेप करते हुए चेयरमैन को पद से हटाने और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की। विरोध सभा की अध्यक्षता ई. एस.के. सिंह ने की और संचालन मीडिया सचिव एवं प्रभसारी अंकुर पांडेय ने किया। सभा को ई. सियाराम, संदीप कुमार, अनिल कुमार, संतोष वर्मा, हेमंत श्रीवास्तव, सतीश बिंद आदि ने संबोधित किया।

काशी में गूंजा शौर्य का स्वर, ऑपरेशन सिंदूर को तिरंगे से सलाम

सुरेश गांधी

वाराणसी। देश की सेना की वीरता और पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों पर करारा प्रहार करने वाले ऑपरेशन सिंदूर को काशी ने शनिवार को ऐतिहासिक तिरंगा यात्रा निकालकर सलामी दी। भारतीय सेना के पराक्रम और आतंक के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर की सफलता को समर्पित विशाल भारत शौर्य तिरंगा यात्रा काशी की धरती को देशभक्ति से सराबोर कर दिया।

गगनभेदी नारों और हाथों में लहराते तिरंगों के बीच यात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरी, जिसमें हजारों लोगों ने भाग लेकर सेना के शौर्य को नमन किया। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ गेट नंबर-2 से प्रारंभ हुई यह भारत शौर्य तिरंगा यात्रा सरदार पटेल चौराहा, मलदहिया, लहुराबीर होते हुए संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय मैदान तक पहुँची। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी और भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने यात्रा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान देशभक्ति के नारों से काशी की गलियां गूंज उठीं।

उपमुख्यमंत्री केशव मौर्य ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में सेना के शौर्य और सम्मान के लिए इस भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन कर हम ह्यभारत एक है, भारत श्रेष्ठ है, भारत विजेता है का संदेश दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह तिरंगा यात्रा भारत की एकता और सेना के शौर्य को समर्पित है। देश की रक्षा में खड़े हर सैनिक को हम नमन करते हैं।

यात्रा में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, महिलाएं, एनसीसी कैडेट, स्काउट-गाइड, सामाजिक संगठनों, व्यापार मंडलों के प्रतिनिधि, डॉक्टर, अधिवक्ता, पूर्व सैनिक और आम नागरिक पारंपरिक वेषभूषा में हाथों में तिरंगा लिए शामिल हुए। भारत माता की जय और वंदे मातरम्‌ के जयघोष से पूरा माहौल राष्ट्रप्रेम से सराबोर हो गया।

तिरंगा यात्रा के दौरान विभिन्न स्कूलों के छात्र-छात्राएं 250-250 मीटर लंबे विशाल तिरंगे को थामे आगे-आगे चल रहे थे। उनके साथ हाथों में झंडा लिए हजारों लोग शामिल थे। खास यह है कि यात्रा में शामिल छात्र-छात्राएं भारत माता की जयकार लगाते चल रहे थे, जो देशभक्ति का अद्भुत दृश्य बना।

यात्रा से पूर्व अतिथियों ने सरदार वल्लभभाई पटेल और चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्र के महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर भाजपा के कई वरिष्ठ नेता, सूबे के स्टांप शुल्क पंजीयन राज्य मंत्री रवीन्द्र जायसवाल, विधायक सौरभ श्रीवास्तव, विधायक त्रिभुवनराम, नीलकंठ तिवारी, विधायक डा अवधेश सिंह, महापौर अशोक तिवारी, विश्वविद्यालयों के कुलपति आनंद कुमार त्यागी, प्रो. बिहारीलाल शर्मा, संतगण, समाजसेवी, सेना के पूर्व अधिकारी और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि के अलावा, मंडलायुक्त एस राजलिंगम, जिलाधिकरी सत्येन्द्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

दोपहर से ही लोग तिरंगा लिए जुटने लगे। महिलाएं, छात्र-छात्राएं, पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन, डॉक्टर, अधिवक्ता, व्यापारी संगठनों से लेकर सफाईकर्मी तक इस यात्रा का हिस्सा बने। एनसीसी, एनएसएस, स्काउट-गाइड, पैरामिलिट्री बलों और पुलिस के बैंड ने जोश बढ़ा दिया। शाम 5 बजे तक खेल मैदान पूरी तरह ठसाठस भर गया. स्कूली छात्र-छात्राएं, महिलाएं, पूर्व सैनिक, सामाजिक संस्थाएं, व्यापारी संगठन, विभिन्न भाषाई समुदाय पारंपरिक वेशभूषा में तिरंगा थामे जयघोष करते चल रहे थे। भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से वातावरण गूंज उठा। 250-250 मीटर लंबे विशाल तिरंगे को छात्र-छात्राओं ने हाथों में लेकर यात्रा में शामिल होकर विशेष दृश्य प्रस्तुत किया।

होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने लॉन्च की ऑल - न्यू सीबी 750 हॉर्नेट और सीबी 1000 हॉर्नेट

पटना(उत्तरशक्ति)। होंडा मोटरसाइकल एंड स्कूटर इंडिया ने अपने प्रीमियम पोर्टफोलियो में दो दमदार नई मोटरसाइकलों – सीबी 750 हॉर्नेट और सीबी 1000 हॉर्नेट एसपी के लॉन्च की घोषणा की। इन दोनों मोटरसाइकलों की बुकिंग अब खुल चुकी है और इनकी डिलीवरी जून 2025 से शुरू की जाएगी। नई होंडा सीबी 750 हॉर्नेट की कीमत 8,59,500 (एक्स-शोरूम) रखी गई है, जबकि सीबी 1000 हॉर्नेट एसपी की कीमत 12,35,900 (एक्स-शोरूम) निर्धारित की गई है। नई प्रीमियम मोटरसाइकलों की शुरूआत पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के प्रबंध निदेशक, प्रेसीडेंट और सीईओ त्सुत्सुमु ओटानी ने कहा, भारत का प्रीमियम मोटरसाइकल सेगमेंट वर्षों से शानदार विकास कर रहा है, खासकर उन युवाओं के बीच जो स्टाइल के साथ परफॉर्मेंस की तलाश में रहते हैं।

सीबी 750 हॉर्नेट और सीबी 1000 हॉर्नेट एसपी के लॉन्च के साथ, हम फन बाइकिंग के क्षेत्र में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करना चाहते हैं। ये मोटरसाइकलें होंडा की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता, एग्रेसिव डिजाइन और रोमांचक परफॉर्मेंस की विरासत को दशार्ती हैं। हमें पूरा विश्वास है कि ये हॉर्नेट्स उन राइडर्स को जरूर पसंद आएंगी जो एक डायनामिक और स्पोर्टी राइडिंग अनुभव की तलाश में हैं।

लॉन्च के अवसर पर होंडा मोटरसाइकिल और स्कूटर इंडिया के सेल्स एंड मार्केटिंग डायरेक्टर योगेश माथुर ने कहा, ये मोटरसाइकलें अत्याधुनिक तकनीक, प्रतिष्ठित डिजाइन और प्रभावशाली रोड प्रजेंस के संगम से बनी हैं, जो इन्हें अपने-अपने सेगमेंट में एक आकर्षक विकल्प बनाती हैं। भारत में परफॉर्मेंस मोटरसाइकल्स की बढ़ती मांग हमें रोमांचित करती है, और हमें विश्वास है कि ये हॉर्नेट्स हर रोमांच पसंद करने वाले राइडर को पसंद आएंगी। हम बाइकिंग कम्युनिटी से शानदार प्रतिक्रिया की आशा करते हैं।

बेसिक शिक्षा विभाग के लंबित कार्यों पर डीएम ने जताई नाराजगी

आजमगढ़। डीएम रविंद्र कुमार की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बेसिक शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के उन्नयन के लिए 2022-23, 2023-24 और 2024-25 में बालिकाओं के लिए छात्रावास, एकेडमिक ब्लॉक और कंप्यूटर लैब निर्माण जैसे कार्यों को पूर्ण गति से निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए। डीएम ने कार्यदायी संस्थाओं उप्र राज्य निर्माण निगम और श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड की कार्यशैली व धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने बीएसए को तत्काल नोटिस जारी करने और एक महीने में अपेक्षित प्रगति न होने पर यूपी सीएलडीएफ को ब्लैक लिस्ट करने के लिए शासन को पत्र भेजने के निर्देश दिए। साथ ही, मुख्यमंत्री अभ्युदय कंपोजिट विद्यालय और मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय के निर्माण में लक्ष्य के सापेक्ष खराब प्रगति पर भी नाराजगी जताई और बीएसए को शासन को पत्र भेजने का निर्देश दिया। डीएम ने अविद्युतीकृत विद्यालयों में विद्युत संयोजन और परिषदीय विद्यालयों के ऊपर से गुजरने वाले हाई टेंशन तारों को हटाने के लिए बीएसए को विद्युत वितरण निगम के एमडी को पत्र लिखने के निर्देश दिए। पीएम श्री योजना के तहत विद्यालयों के निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। आधार के अभाव में डीबीटी सुविधा से वंचित बच्चों के लिए डीएम ने प्रत्येक दशा में आधार बनवाने के निर्देश दिए। उन्होंने एसडीएम को प्रधान और प्रधानाध्यापकों के माध्यम से जन्म प्रमाण पत्र के आधार पर आधार कार्ड बनवाने का आदेश दिया। आरटीई के तहत चयनित छात्र-छात्राओं की पात्रता निर्धारित मापदंडों के अनुसार जांचने के निर्देश भी दिए गए। डीएम ने विद्यालयों में नामांकन के आधार पर मिड डे मील न बनने की समस्या को गंभीरता से लेते हुए भ्रमण कर नामांकन सत्यापन करने को कहा। साथ ही, डीआईओएस और बीएसए को आपसी समन्वय के साथ बेसिक और माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए समर कैंप आयोजित करने के निर्देश दिए।

सेना के सम्मान में निकली तिरंगा यात्रा, लोगों ने की पुष्पवर्षा

आजमगढ़। पहलगाम घटना के बाद ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारतीय सेना ने पाकिस्तान में आतंकवादियों को करारा जवाब दिया। उनके कई ठिकानों को जमींदोज कर दिया। सेना के पराक्रम पर जिले में तिरंगा यात्रा निकालने का क्रम जारी है। लाटघाट में भाजपा हरैया मंडल अध्यक्ष सुधीर राय के नेतृत्व में कार्यकताओं ने तिरंगा यात्रा निकाली। तिरंगा यात्रा का लोगों ने पुष्प वर्षा कर स्वागत किया। ब्लॉक परिसर से तिरंगा यात्रा का शुभारंभ बीडीओ रबि कुमार ने ने किया। इस मौके पर रेनू गोस्वामी, कैलाश गिरी, सुनीता पटेल, अंजना आदि मौजूद थे। पल्हना में ऑपरेशन सिंदूर के सफलता पर मंडल अध्यक्ष विक्रांत सिंह के नेतृत्व में पल्हना से बाइक तिरंगा यात्रा निकाली गई। पल्हना तिराहे पर महिला मोर्चा की मंडल अध्यक्ष छाया गौड़ व मंडल मंत्री सीता यादव के साथ महिलाओं ने स्वागत किया। इसके बाद महिलाओं ने तिरंगा अपने हाथों में लेकर पल्हना बाजार में पदयात्रा किया। सगड़ी में क्षेत्र के जीयनपुर बाजार से सेना के शौर्य और पराक्रम के सम्मान में भाजपा नेता संतोष सिंह टीपू, के नेतृत्व में तिरंगा यात्रा निकाली गई। अहरौला में ऑपरेशन सिंदूर व सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाली गई। अहरौला तिराहे से तिरंगा यात्रा निकल कर मतलूबपुर, पकड़ी, होते हुए चांदनी चौक पहुंची। फूलपुर में शुक्रवार को नगर पंचायत अध्यक्ष रामाशीष बरनवाल, रत्नेश बिंद के नेतृत्व में श्रीराम लीला मैदान से तिरंगा यात्रा शुरू हुई। नपं अध्यक्ष ने कहा कि सेना का शौर्य और बलिदान देश के प्रत्येक नागरिक के लिए गर्व की बात है। देवगांव में भारतीय सेना के पराक्रम और सम्मान को समर्पित लालगंज नगर में शुक्रवार को तिरंगा यात्रा निकाली गई।

तेज रफ्तार कार की चपेट आने से बाइक सवार युवकों की मौत

हंडिया (प्रयागराज)। हंडिया थाना क्षेत्र के ब्यूर चौराहे के पास शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों युवक बरात से लौट रहे थे कि हादसे के शिकार हो गए। घटना के बाद बरात में भी हलचल मची रही। राकेश कुमार यादव (33) पुत्र संतलाल निवासी कुंदनपुर थाना सरायममरेज प्रयागराज अपने रिश्तेदार सालिक राम यादव निवासी अर्जुनपट्टी के लड़के की बरात में हिस्सा लेने के लिए हंडिया थाना क्षेत्र के कनकपुर ब्यूर गांव गए थे। उनके साथ में प्रदीप कुमार यादव (22) वर्ष पुत्र रामसागर निवासी निबिहां थाना कोइरौना जनपद भदोही भी थे। देर रात बरात से पानी पीने के बाद दोनों युवक बाइक से सैदाबाद की ओर निकल पड़े। वह जैसे ही ब्यूर चौराहे के पास पहुंचते हैं कि सैदाबाद से सिरसा की ओर जा रही तेज रफ्तार कार ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों छिटककर दूर जा गिरे। जिससे दोनों युवकों को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने हंडिया पुलिस को दी।

दुर्घटना की खबर चौराहे से 500 मीटर दूर बरातियों को भी हुई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही दोनों युवकों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई थी। राकेश कुमार मुंबई में रहकर ड्राइवरी करके अपने परिवार का खर्च चलाते थे। वह चार भाइयों एवं तीन बहनों में तीसरे नंबर पर थे। राकेश की एक लड़की परी (6) और सात माह का एक पुत्र है। घटना से शांति देवी एवं पत्नी वंदना देवी का रो-रो कर बुरा हाल है।

प्रदेश में 29 मई से बिजली कर्मियों की हड़ताल

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। आपकी बिजली कनेक्शन लेने की इच्छा है। कनेक्शन का बिल बकाया है, मगर उसको जमा नहीं कर रहे हैं। ये बिजली संबंधी आपके जो भी काम हों, यह सब आप 29 मई से पहले निपटा लें, नहीं तो अटक सकते हैं। दरअसल, दो कंपनियों पूर्वांचल व दक्षिणांचल की बिजली व्यवस्था को निजी हाथों में सौंपने की चल रही कार्रवाई के विरोध में लखनऊ समेत प्रदेशभर में कर्मचारी और अभियंता 29 मई से कार्यालय तो आएंगे, मगर उपभोक्ता का काम नहीं करेंगे। इनकी ओर से बेमियादी कार्य बहिष्कार शुरू करने का नोटिस जारी किया गया है, जिससे बिजली महकमे में हड़कंप मचा है। इससे राजधानी के 14 लाख उपभोक्ताओं की बिजली व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। उपकेंद्र, उपखंड, खंड के कर्मचारी एवं अभियंता काम करना बंद कर देंगे तो हड़ताल (कार्य

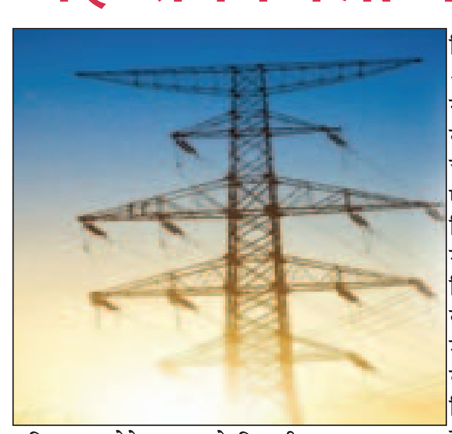

बहिष्कार) होने तक न तो बिजली कनेक्शन पाएंगे और न ही कटी बिजली चालू हो सकेगी।

जेई संगठन ट्रांस एवं सिस गोमती इकाई के अध्यक्ष क्रमशः चंदशेखर व अरविंद कुमार और विद्युत तकनीकी कर्मचारी एकता संघ के केंद्रीय अध्यक्ष वीके सिंह ने संयुक्त रूप से बताया कि बेमियादी कार्य बहिष्कार आंदोलन के दौरान नियमित कर्मचारी, अभियंता प्रमुख रूप से चार कामों का बहिष्कार करेंगे। यह चार काम उपभोक्ता एवं विभाग की लिहाजा से बहुत ही महत्वपूर्ण हैं। बाकी बिल पर नहीं कटेंगे कनेक्शन, 29 मई से उपकेंद्र के कर्मचारी व अभियंता बाकी बिल पर उपभोक्ता का कनेक्शन काटना बंद कर देंगे। कनेक्शन नहीं कटेंगे तो आय ठप हो जाएगी। उपभोक्ता के नहीं जमा करेंगे बिल, पावर कॉर्पोरेशन ने जिन कर्मियों की ड्यूटी कैश कलेक्शन सेंटर पर बिल जमा करने की लगाई है, वह बहिष्कार करेंगे। इससे उपभोक्ता के बिल जमा नहीं करेंगे। आवेदकों को नहीं मिल सकेंगे कनेक्शन : पावर कॉर्पोरेशन के झटपट पोर्टल पर आवेदन होने वाले बिजली कनेक्शन की कोई सुनवाई नहीं होगी। जब तक जेई की रिपोर्ट नहीं लगेगी, तब तक नए कनेक्शन नहीं मिल सकेंगे। बिलिंग एजेंसी की ओर से जिन उपभोक्ताओं के गलत रीडिंग के बिल बना दिए जाते हैं, उनको कर्मियों की मीटर की जांच के बाद संशोधित किया जाता है। बहिष्कार से यह काम भी नहीं होगा।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से निजीकरण की लड़ाई में आमजन से भी सहयोग का आह्वान किया गया है। इसीलिए बेमियादी कार्य बहिष्कार के दौरान बिजली आपूर्ति में आने वाले ब्रेकडाउन का निराकरण करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को इस गर्मी में परेशानी न हो। उधर, समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे का मानना है कि निजीकरण से पूंजीपतियों के हाथ में बिजली व्यवस्था पहुंच जाएंगी।